जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 48 प्रभात चूरू, रविवार 15 जून, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ऑयल का ट्रांसपोर्टेशन अवरुद्ध होने के भय से ही ऑयल की कीमत में 14 प्रतिशत की वृद्धि हो गई है

और अगर ''स्ट्रेट ऑफ होरमुज़'', जिसके मार्फत विश्व का 20 प्रतिशत ऑयल ट्रांसपोर्ट होता है, वाकई में अवरुद्ध हो गया तो ऑयल का अंतर्राष्ट्रीय मूल्य 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर सौ से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। इज़राइल और ईरान के बीच खुला संघर्ष छिड़ने से वैश्विक तेल बाज़ार अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि अब तक किसी टैंकर पर हमला नहीं हुआ है और उत्पादन केंद्र भी सुरक्षित हैं, फिर भी केवल मनोवैज्ञानिक प्रभाव से ही कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि हो गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 14 प्रतिशत बढ़ गयी है, और इसका मूल्य 70 डॉलर प्रति बैरल था, युद्ध शुरू होने के बाद 80 डॉलर के करीब पहुँच गया है।

इस मूल्य वृद्धि का कारण अभी तक तेल की कमी नहीं है, बल्कि बढ़ते जोखिम के कारण ऐसा हुआ है। इन आशंकाओं का मुख्य केंद्र है होरमुज़ की खाड़ी, जहाँ से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है। यहाँ किसी भी

- **अभी ऑयल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से 80 डॉलर प्रति बैरल पहुँचने से ही भारत की इकॉनमी को भारी झटका लगा है, जिसे संभालने में ही पसीने छूट गये और अगर कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल हो गई तो भारत की इकॉनमी ''क्रैश'' होने की संभावना यथार्थ में परिवर्तित होगी।**
- **हालांकि, भारत ने पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान से तेल खरीदना काफी कम, लगभग बंद ही कर दिया था। भारत ''डिस्काउन्टेड कीमत'' पर, रूस से ऑयल खरीद रहा था, पर, ''डिस्काउन्टेड कीमत'' भी अंतर्राष्ट्रीय ऑयल प्रॉइस के अनुसार, घटती-बढ़ती तो है ही।**
- **अतः ऑयल प्रॉइस बढ़ने से देश में ट्रांसपोर्टेशन खर्च, पैकेजिंग खर्च, कृषि (खाद आदि) व कैमिकल्स की कीमत आसमान छूने लगेगी।**

प्रकार का व्यवधान, चाहे वह ईरानी नाकेबंदी, माइंस लगाना हो या लक्षित हमले हों, कीमतों को तुरंत 100 डॉलर प्रति बैरल या उससे अधिक तक पहुँचा सकता है। वैश्विक कमोडिटी व्यापारी, शिपिंग बीमा कंपनियाँ और नीति निर्माता पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं, क्योंकि एक भी चूक से तेल आपूर्ति व्यवस्था में अफरा तफरी मच सकती है।

भारत पर इसका प्रभाव सबसे जल्दी और बहुत गंभीर होगा। भारत अब भी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात करता है, और हालाँकि ईरान से प्रत्यक्ष आयात हाल के वर्षों में अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते कम हुआ है, फिर भी हमारा देश वैश्विक तेल मूल्यों में उतार-चढ़ाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना हुआ है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत के बजट घाटे को बढ़ाएंगी, रुपये को कमजोर करेंगी, और महंगाई बढ़ेगी। और वो भी तब ऐसे समय में जब देश कोविड के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर, 14 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग का अपहरण कर, उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त काजू उर्फ राजू कुमार को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख तीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति के खिलाफ जाकर उसके साथ कई बार संबंध बनाए। ऐसे में उसके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

- **पीड़िता का अपरहरण कर अभियुक्त उसे अहमदाबाद ले गया और कई बार दुष्कर्म किया।**

लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 7 फरवरी, 2023 को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी नाबालिग बेटी गत 1 फरवरी को चावल खरीदने के लिए बाजार गई थी, लेकिन उसका अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुछ दिनों के बाद अहमदाबाद से पीड़िता को बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया था। पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त ने उसे वैद्य जी का चौराहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान का महेश कुमार नीट-यूजी ऑल इंडिया टॉपर

हनुमानगढ़ के महेश कुमार ने 99.99 परसैंटाइल प्राप्त किए

नयी दिल्ली, 14 जून। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया, जिसमें 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

इस साल राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 परसेंटाइल हासिल कर टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। वहीं, मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया को दूसरा स्थान और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी को तीसरा स्थान मिला है। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।

- **दूसरा स्थान मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया व तीसरा स्थान महाराष्ट्र के कृषांग जोशी को मिला। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने टॉप किया है।**
- **नीट यूजी परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी और इसमें 12.36 लाख विद्यार्थी पास हुए हैं।**
- **इस वर्ष कट ऑफ में 18 अंकों की गिरावट देखी गई। सामान्य वर्ग की कट ऑफ 686-144 अंक के बीच है। ओबीसी, एससी, एसटी की कट ऑफ 143 से 113 के बीच है। जनरल वर्ग के दिव्यांग व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की कट ऑफ 143 से 127 के बीच व एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग के दिव्यांगों की कट ऑफ 126 से 113 अंक है।**

इस बार कटऑफ में 18 अंकों की कमी देखी गई। एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के लिए ने सभी श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर भी जारी किया है। इस वर्ष सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कटऑफ स्कोर 686 से 144 के बीच निर्धारित किया गया है। वहीं, जनरल श्रेणी के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए यह कटऑफ स्कोर 143 से 127 के बीच है। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर 143 से 113 के बीच निर्धारित है। अनुसूचित जाति, जन जाति व ओबीसी के दिव्यांगों के लिए कट ऑफ 126 ये 113 के बीच है।

उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2025 की परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी। परीक्षाएं देश के 552 शहरों के 5468 केन्द्रों पर 13 भाषाओं में आयोजित हुई थीं। देश के बाहर यह परीक्षा 14 शहरों में आयोजित की गयी, जिनमें आबू धाबी, दुबई, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, कुवैत सिटी, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह और सिंगापुर शामिल हैं।

इस वर्ष 22 लाख 76 हजार 069 अभ्यर्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था, जबकि कुल 22 लाख नौ हजार 318 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 12 लाख 36 हजार 531 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।

पिछले वर्ष नीट-यूजी 2024 में 24 लाख छह हजार 079 विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था, जबकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल-ईरान युद्ध से खाड़ी देशों में कार्यरत 72 लाख भारतीयों की आजीविका व जिन्दगी जुड़ी है

ये भारतीय नागरिक यू.ए.ई., सऊदी अरब, कतर व कुवैत में रहते और कार्य करते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। ईरान इज़रायल जंग के आर्थिक दुष्प्रभावों के अलावा, यूएई, सऊदी अरब, क़तर और कुवैत सहित, खाड़ी देशों में रहने वाले 72 लाख से अधिक भारतीयों पर भी इस बढ़ते तनाव का सीधा और अप्रत्यक्ष असर पड़ सकता है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता उनके रोज़गार व सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है, जो भारत की सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस स्थिति को और बिगाड़ने में वैश्विक शक्तियों, विशेष रूप से अमेरिका की भूमिका पर भी विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इज़राइल की आक्रामक रणनीति का समर्थन करते हुए इसे ईरान की निरंकुश

- **इन भारतीयों की आजीविका, रेमिटैन्स, व सेफ्टी से भारत के सामाजिक, आर्थिक संतुलन का गहरा संबंध है।**
- **अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है कि इस युद्ध का कारण, ''ईरान की अनियंत्रित न्यूक्लियर महत्वाकांक्षा'' है। पर, अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय विचारक मानते हैं, इज़रायल ने कहीं न कहीं वो ''रेड लाइन'' (लक्ष्मण रेखा) लांघ दी है, अपने आक्रमण से, जिससे एक निर्णायक क्षेत्रीय युद्ध की संभावना प्रबल हो गई है।**

परमाणु महत्वाकांक्षाओं के प्रति आवश्यक प्रतिक्रिया बताया है।

हालांकि, कई अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि इज़राइल की यह सैन्य कार्रवाई एक रेड लाइन पार कर चुकी है, जिससे ईरान की ओर से पलटवार की आशंका और क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बढ़ गया है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में खाड़ी अध्ययन के पूर्व अध्यक्ष प्रो. आफताब कमाल पाशा ने इज़राइल की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक शक्तियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर के बाद सीमावर्ती जिलों में किये तबादलों पर पुनर्विचार करें

जयपुर, 14 जून। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एएनएम का सीमावर्ती जिले में किए गए तबादला -आदेश पर नए सिरे से विचार किया जाए। पीठासीन अधिकारी चेतनराम देवड़ा और लेखराज तोसावडा ने ये आदेश कविता की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार

- **राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिये।**

सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि भारत-पाकिस्तान के बीच गत दिनों सीमा पर तनाव हुआ था। भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में बने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी। इस दौरान, पाकिस्तान ने भी देश में हवाई हमले की कोशिश की थी। ऐसे में राज्य सरकार ने एहतियातन याचिकाकर्ता सहित अन्य लोगों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस पीढ़ी के युवा वकीलों से सुप्रीम कोर्ट को गंभीर शिकायत है

सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि युवा वकील अपना करियर ट्रायल कोर्ट से शुरु नहीं करना चाहते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह चिंता व्यक्त की कि अब अधिकतर युवा वकील अपने करियर की शुरुआत ट्रायल कोर्ट से करने से बच रहे हैं, जिससे उन्हें मुकदमेबाज़ी की बुनियादी प्रक्रियात्मक (प्रोसीजरल) समझ विकसित करने का अवसर नहीं मिल पाता। अवकाशकालीन पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी ने टिप्पणी की, कि ''इस पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे प्रैक्टिस सीखने के लिए ट्रायल कोर्ट जाना ही नहीं चाहते।'' इस पीठ में न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले भी शामिल थे। यह टिप्पणी उस समय आई जब एक वकील को सुप्रीम कोर्ट में पैरोल याचिका से संबंधित प्रक्रिया समझानी पड़ी।

यह मामला पॉक्सो (बच्चों के यौन अपराधों से संरक्षण) अधिनियम के

- **इस कारण उन्हें कोर्ट की प्रक्रिया से पूरी वाकफियत नहीं होती।**
- **कोर्ट ने यह टिप्पणी पॉक्सो केस में दस साल की सजा भुगत रहे एक आरोपी की पैरोल याचिका की सुनवाई करते हुए की।**

तहत 10 साल की सजा काट रहे एक दोषी की पैरोल याचिका से जुड़ा था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले ही इस याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि आरोपी को सितंबर 2024 में उसकी पत्नी की सर्जरी के लिए 45 दिन की पैरोल पहले ही दी जा चुकी थी।

हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि उस समय हीमोग्लोबिन की कमी के कारण उसकी पत्नी की सर्जरी नहीं हो सकी थी, और अब सर्जरी 16 जून को तय की गई है। वकील ने यह भी कहा कि सर्जरी के बाद पत्नी की देखभाल और नाबालिग बच्चों के पालन-पोषण के लिए आरोपी की उपस्थिति आवश्यक है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट बैंच ने अंततः 15 जून से 21 जून तक एक सप्ताह की पैरोल मंज़ूर कर दी, लेकिन पीठ ने याचिका दायर करने की प्रक्रिया को लेकर नाराज़गी जताई। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने पहले उचित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क नहीं किया और न ही राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की पूर्व सूचना दी।

कोर्ट ने वकील से कहा, ''मानक प्रक्रिया यही है कि पहले संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया जाए, कारणों को समझाया जाए, और फिर पैरोल आदेश प्राप्त किए जाएँ - लेकिन यह प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।''

एक सप्ताह की पैरोल देते हुए न्यायालय ने कहा, ''हम इस स्तर पर यह नहीं कह रहे हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उच्च न्यायालय या सुप्रीम कोर्ट में सीधे याचिका दायर करना सही है या नहीं।''

जब याचिकाकर्ता के वकील ने राहत अवधि को दो सप्ताह तक बढ़ाने का अनुरोध किया, तो न्यायमूर्ति भट्टी ने स्पष्ट किया कि यह आदेश उनके साथी न्यायाधीश के आग्रह पर ही पारित किया गया है - यह संकेत देते हुए कि वे खुद इसे खारिज कर देते। हालांकि पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता आगे संबंधित अधिकारियों के समक्ष पैरोल एक्सटैंशन के लिए आवेदन दे सकता है और यदि आवश्यक हो तो अगली सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट का रुख फिर से कर सकता है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर रोजगार मेला

नयी दिल्ली, 14 जून। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर 19 जून को दिल्ली कांग्रेस पार्टी तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मैगा जॉब फेयर आयोजित करेगी।

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र

- **दिल्ली कांग्रेस 19 जून, राहुल गांधी के जन्मदिन पर तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में एक मैगा जॉब फेयर आयोजित करने जा रही है।**

यादव ने शनिवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली कांग्रेस और युवा कांग्रेस मिलकर 19 जून को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मैगा जॉब फेयर का आयोजन करेंगी, जिसमें लगभग 100 प्रमुख कंपनियां 5000 से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस में जातिगत जनगणना के बारे में हिचकिचाहट सी क्यों है?

हालांकि, राहुल गांधी पूर्णतया, ''कास्ट सैन्सस'' के पक्ष में पुरजोर तरीके से हैं, पर, काफी कुछ पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं में बेचैनी सी है, इस जातिगत जनगणना को लेकर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा तो कर दी, लेकिन भाजपा के बहुत सारे लोग इस बात को लेकर चिन्तित हैं कि इससे हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा नष्ट हो जायेगी। इधर, कांग्रेस में भी जातिगत जनगणना को लेकर मिले-जुले विचार हैं तथा कुछ ग्रुपों की ओर से विपक्ष पर राजनैतिक, रणनीतिक तथा लॉजिस्टिक चिंताओं का आरोप लगाया जा सकता है। यहाँ हम उन प्रमुख कारणों का विश्लेषण प्रस्तुत कर रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर कुछ लोग राहुल गांधी द्वारा समर्थित एवं प्रोत्साहित जाति गणना के विरोध में क्यों हैं या वे पूरी तरह इसका समर्थन करने में क्यों हिचक रहे हैं।

- **बेचैनी का कारण है, कांग्रेस का परम्परागत समर्थक वोट, सवर्ण वोट, इस ''कास्ट सैन्सस'' के नतीजों के बारे में आशंकित है तथा कांग्रेस की पुराने नेताओं को इस वोट बैंक के खिसकने का भय है।**
- **इन वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि मतगणना के कारण ओबीसी आदि का आरक्षण बढ़ाने का दबाव बढ़ेगा। पर, इस आरक्षण बढ़ने का लाभ क्षेत्रीय पार्टियों को, जैसे, सपा, आरजेडी, बसपा, जेडी (यू) को ही मिलेगा, जो अधिकतर जात आधारित पार्टियाँ मानी जाती हैं।**
- **जानकार लोगों का यह भी कहना है कि 2011 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सामाजिक, आर्थिक व जातिगत आधार पर जनगणना करवाई थी। पर, इस सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होने दी थी, क्योंकि सर्वे का नतीजा शायद कांग्रेस के पक्ष में नहीं था।**

पहली बात कांग्रेस को परम्परागत रूप से कई राज्यों में अगड़ी जातियों, खासातौर से ब्राह्मणों का समर्थन मिलता रहा है। जातिगत जनगणना से घोर असमानताएं खुलकर सामने आ सकती हैं तथा आरक्षण को फिर से तय किये जाने की माँग उठ सकती है तथा इससे अगड़ी जातियों के मतदाता परेशान एवं नाराज़ हो सकते हैं।

दूसरी बात, कांग्रेस एक व्यापक-जनाधार वाला राजनैतिक संगठन है, जिसमें विभिन्न जातियों और राज्यों के नेता शामिल हैं। हाल ही के वर्षों में राहुल गांधी तथा कुछ अन्य नेताओं ने जातिगत जनगणना का समर्थन किया है तथा इसके पीछे ''सामाजिक न्याय'' की भावना रही है। लेकिन कुछ पुराने नेता इसलिये आशंकित एवं सतर्क हैं क्योंकि उन्हें कुछ जातियों के दूर हो जाने का डर है। इसके अलावा, वे इसे पार्टी की मूल विचारधारा के विरोध में मान रहे हैं।

कांग्रेस यह देखती आ रही है कि क्षेत्रीय दल जैसे आरजेडी, सपा, और जेडीयू ने जाति आधारित गठबंधनों से मजबूत राजनीतिक आधार तैयार किया है।

लेकिन कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों को डर है कि जाति जनगणना से वोट बैंक और भी ज्यादा बंट सकता है और इससे जाति-आधारित क्षेत्रीय दलों को फायदा हो सकता है।

इसके अलावा, जाति जनगणना की प्रक्रिया अपने आप में जटिल है, वर्गीकरण, गिनती और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में 20 जून को मानसून आएगा

जयपुर, 14 जून। भीषण गर्मी से जूझ रहे राजस्थानवासियों को जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग जयपुर के अनुसार, राज्य में 20 जून के आसपास मानसून के प्रवेश की प्रबल संभावना है। इस दिशा में संकेत पहले

- **भारतीय मौसम विभाग ने तेज बारिश के संकेत दिए और कहा, 14 जून से जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों, बीकानेर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर व भरतपुर में बादल छाने, आँधी व छिटपुट बारिश की संभावना है।**

ही मिल चुके हैं, क्योंकि वर्तमान में प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां तेज़ हो गई हैं। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं, इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति व पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गांव में शुरू हुआ। जहां अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे।मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है,बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया। शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई,जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है,और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया,जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहनेसे मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है। इस प्रकार,मेरी कहानीआपकोयह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पानेहेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं,बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो। अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं।मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियां उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुलकरकिया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए। शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गांव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गांव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया। शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में,जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में,व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसरप्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती हैउसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है। गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है,प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है,और स्वच्छ जल,वायुऔर मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार,पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रोंके साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए,गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

> **शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है।**

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं,बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप मेंहमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें। इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों,परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण–आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है,स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं,पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे,जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समठा प्रगति भी सुनिश्चित होगी। हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समठा विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं।इससे न केवल हमारे देश की समठा उन्नित सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अठासर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समठा दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिएहमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके।अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

सरकार ने समझा जल स्त्रोतों का महत्व

मुख्यमंत्री की दूरदर्शी पहलः वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

नवधा परदेशी

मरुधरा के दक्षिण छोर पर बसा प्रतापगढ़ जिला अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ–साथ प्राकृति के सम्पदा व जल स्त्रोतोंमें भी सुसमृद्ध है। इस जनजातीय क्षेत्र की जीवन रेखा है जाखम बाँध। जाखम सिर्फ पानी का भंडार नहीं, बल्कि प्रतापगढ़ के सामाजिक, भौगोलिक और आर्थिक जीवन से जुड़ा हुआ बहुमूल्य संसाधन भी है।

जल स्त्रोत सिर्फ ग्रामीण भारत के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण देश के लिए आधार हैं। बढ़ते शहरीकरण, घटती वर्षा और गिरते भूजल स्तर ने जल संकट को एक गंभीर चुनौती बना दिया है। ऐसे समय में यह आवश्यक हो गया है कि हम पारंपरिक जल स्त्रोतों की ओर लौटें, वर्षा जल का संरक्षण करें और जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण के लिए प्रयासों को मजबूत करें। इसी दिशा में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किया गया "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" एक दूरदर्शी पहल है। यह अभियान केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि जन–जन को जागरूक और प्रेरित करने का एक सामूहिक प्रयास है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है – जल स्त्रोतों का संरक्षण, भूजल स्तर का पुनर्जीवन और एक ऐसे भविष्य की नींव रखना जहाँ हर बूँद का मूल्य समझा जाए। जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुका है। जाखम बाँध जैसे उदाहरण हमें सिखाते हैं कि जब हम जल को बचाते हैं, तो हम जीवन को बचाते हैं। "वंदे गंगा" जैसे अभियानों से यह विश्वास जागता है कि सामूहिक प्रयासों से बदलाव संभव है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहाँ करोड़ों लोग खेती पर निर्भर हैं, जल स्त्रोतों की उपलब्धता ही फसल का जीवन तय करती है। दु:ख की बात यह है कि आधुनिक विकास के नाम पर हमने इन स्त्रोतों की अनदेखी की है। अंधाधुंध दोहन, शहरीकरण और लापरवाह जल प्रबंधन ने इन जीवनदायिनी संरचनाओं को संकट में डाल दिया है। भूमिगत जलस्तर गिरता जा रहा है, प्राकृतिक जलाशय सिकुड़ते जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन इस संकट को और भी गहरा बना रहा है। जल के बिना जीवन की कोई कल्पना नहीं – यह सिर्फ एक कथन नहीं, बल्कि सच्चाई है। राजस्थान सरकार ने समझा कि यह आज ज़रूरत है कि हम सभी इस दिशा में आगे आएं – सरकार, समाज और हर व्यक्ति – ताकि अगली पीढ़ी को जल की कमी नहीं, शुद्ध और साफ़ जल का उपहार मिले। क्योंकि जल है, तभी कल है।जनजाति क्षेत्र में हज़ारों लोगों को लाभान्वित कर रहा जाखम बाँध: कांठल की जीवन रेखा पक्षियों की आवाज, पर्वतों का फैलाव, मानसून में बादलों की अद्वितीय छाया के बीच जाखम बांध एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है।

> **■ समृद्ध वन व हरियाली के बीच खुशहाली का प्रतीक है, विकास की गंगा- जाखम बांध**

कांठल प्रदेश में घने जंगलों और इसके किनारों पर असंख्य झाड़ियों के साथ बारहमासी जाखम नदी सीतामाता अभयारण्य और कांठल क्षेत्र की जीवन रेखा है। बांध क्षेत्र की एक प्रमुख सिंचाई परियोजना है। जाखम सिंचाई परियोजना राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में स्थित एक प्रमुख जल परियोजना है, जो जाखम नदी पर निर्मित की गई है। इसका निर्माण 1010 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले जलठाहण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए किया गया है। परियोजना का कुल अनुमानित ठॉस स्टोरेज 142.02 मिलियन क्यूबिक मीटर और लाइव स्टोरेज 132.28 मिलियन क्यूबिक मीटर है। यह बांध लगभग 81 मीटर ऊंचा है। यह परियोजना लगभग 28 हज़ार 319 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करती है और औसतन 23 हज़ार 505 हेक्टेयर क्षेत्र को प्रतिवर्ष सिंचित करती है। इसमें दो मुख्य नहरें हैं – बाएं तरफ 39.9 किलोमीटर और दाएं तरफ 34.12 किलोमीटर लंबी – जिनसे क्रमश: 7.53 और 3.54 क्यूमेक्स जल आपूर्ति होती है। परियोजना के अंतर्गत कुल 121 गांवों को लाभ मिलता है, जिनकी कुल अनुमानित जनसंख्या लगभग 1.1 लाख है। इसका महत्त्व देखते हुए बजट 2024–25 में राज्य सरकार ने 3 हज़ार 530 करोड़ रुपये की लागत से जाखम बाँध आधारित वृहद पेयजल परियोजना की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद और उदयपुर जैसे ज़िलों को शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यह परियोजना राजस्थान के दक्षिणी क्षेत्र में जल संकट से निपटने और जनजातीय व ठामीण आबादी की जीवन गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

लेखक परिचय
नवधा परदेशी
सहा. जनसंपर्क अधिकारी
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

फादर्स डे पितृ सम्मान दिवस

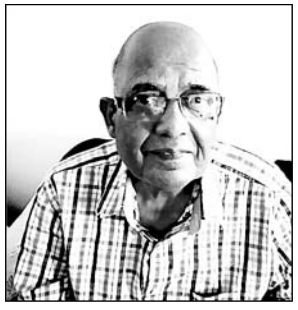

डॉ. जे.के. गर्ग

किसी ने पूछा–'वो कौन सी जगह है जहाँ हर गलती, हर जुर्म और हर गुनाह माफ़ हो जाता है? नन्हा बच्चा मुस्कुराया और बोला–'मेरे पापा का दिल।' सच्चाई तो यही है कि हम अपने पापा की छत्र छाया में रह कर कब बडे और युवा हो जाते हैं यह हमको मालूम ही नही हो पाता है। नि:संदेह पापा, पिता, अब्बू, डेडी ही दिन–रात अपने बच्चे के लिए जीते–मरते रहते हैं, उनकी हर इच्छा को पूरा करने वाले के लिये हर सम्भव कोशिश भी करते हैं। पिता के जीवन का एक मात्र काम होता है अपने बेटी–बेटों को जीवन की सारी खुशियाँ देना और उन्हें एक कामयाब एवं योग्य मनुष्य बनाना, वे अपने बच्चों की ख़ुशियों के खातिर खुद की सारी खुशियाँओ को छोड़ देते हैं, खुद अभाव और तकलीफ में रह कर अपने बच्चों को सुख–सुविधाओं के समस्त साधन उपलब्ध करवातें हैं। बच्चों के लालन–पालन, परवरिश, शिक्षा आदि में माँ के योगदान के साथ–साथ पिता का योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता है। वास्तिवकता तो यही है कि पिता ही बालक के लिये एक सच्चा दोस्त, पथ प्रदर्शक, गाइड, रोलमोडल एवं गुरु भी होता है। हर पिता अपने बेटे–बेटियों को जीवन में आने वाली बाधाओं का सामना करने के काबिल बनाता है और उनकी शिक्षा के लिये भरपूर प्रयास करता है। पिता ही अपने बच्चों को अच्छे–बुरे का भेद समझाता है। किसी ने सही ही कहा है कि 'पिता भगवान् के दुवारा भेजे गये धरती पर देव दूत ही होते हैं'। हमारे वेद, पुराण, दर्शनशास्त्र, स्मृतियां, महाकाव्य, उपनिषद आदि सब माता–पिता की अपार महिमा के गुणगान से भरे पडे हैं।

असंख्य ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों, पंडितों, महात्माओं, विद्वानों, दर्शन शास्त्रियों, साहित्यकारों और कलाकारों ने भी माता–पिता के प्रति पैदा होने वाली अनुभूतियों को कलमबद्ध करने का भरसक प्रयास किया है। सच्चाई तो यही है कि–"त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव। त्वमेव विद्या च द्रविणम त्वमेव, त्वमेव सर्वमम देव देव:।"

हमारी संस्क्रति में तीन प्रकार के ऋण यानि राष्ट्रऋण, पित्रऋण और गुरु ऋण का उल्लेख किया जाता है एवं हर इन्सान से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने सुकृत्यों से इन तीनों ऋण से ऊऋण होने का भरपूर प्रयास करें। सच्चाई तो यही है कि बच्चें अपने पिताजी के कर्ज से अपने आपको कभी भी मुक्त नहीं कर सकते हैं । हम सभी को पित्रऋण को चुकाने के लिये हर मुमकिन कोशिश करनी चाहिए तथा अपने पिताजी की सुख–सुविधाओं का ध्यान रख उनकी देख भाल करनी चाहिए।

फादर्स डे या पितृ सम्मान दिवस मात्र पिताजी का ही नहीं वरन दादाजी, नानाजी, पड दादी–दादाजी, पड नानी–नााजी एवं समस्त पितृ तुल्य स्वजनों, मित्रों एवम् समस्त परिचितों के प्रति सम्मान–आदर व्यक्त करने का दिवस है। दुनियांभर में फादर्स डे पर सभी वर्गों के स्त्री–पुरुष यानि युवक–युवतियां, बेटे–बेटियां, प्रोढ़ स्त्री–पुरुष अपने बुजुर्ग पिता और समस्त पितृ तुल्यों के प्रति उनकी सेवाओं, योगदान, मार्गदर्शन को याद कर अपना आभार और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं ।

फादर्स डे पर स्वजन अपने पिताजी एवम् पितृ तुल्य व्यक्तियों को बाहर सैर सपाटे के लिये ले जाते हैं तथा उनके साथ समय बिता कर उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि आप अकेले नहीं हैं हम सभी बच्चें आपके साथ है तथा आपकी सेवा सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। फादर्स डे पर बच्चें, चाहे वे कहीं भी हो उन्हें उपहार भेज कर इस बात की शपथ लेते हैं कि वे सभी उनके प्रति अपने सभी कर्तव्यों को जीवन पर्यन्त पुरी निष्ठा के साथ पूरा करेगें । मुझे कई बार अमेरिका जाने का अवसर मिला है वहां पर भारतीय समुदाय फादर्स डे पर विशाल स्तर पर पिकनिक का आयोजन करता हैं एवं इस पिकनिक में सभी पुरुष वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं, इस अवसर पिता एवम् पितृतुल्य व्यक्तियों के चेहरों पर आई मुस्कान जहाँ उन्हें आत्मसंतोष तो देती है वहीं उनको युवाओं के समान स्फूर्ति भी प्रदान करती हैं । मुझे कई बार अमेरिका जाने का अवसर मिला है वहां पर भारतीय समुदाय फादर्स डे पर विशाल स्तर पर पिकनिक का आयोजन करता हैं एवं इस पिकनिक में सभी पुरुष वर्ग के बुजुर्गों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद कर उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं, इस अवसर पिता एवम् पितृतुल्य व्यक्तियों के चेहरों पर आई मुस्कान जहाँ उन्हें आत्मसंतोष तो देती है वहीं उनको युवाओं के समान स्फूर्ति भी प्रदान करती हैं ।

फादर्स डे मनाने के बारे में मार्मिक कहानी है । 1909 में व्याय.एम.सी.ए स्पोकेन– वाशिंगटन की निवासी सोनोरा स्मार्ट दोद्द ने मदर्स डे के बारे में सुना था।सोनोरा स्मार्ट दोद्द अपने पिताजी का हृदय से सम्मान करती थी, क्योंकि उसके पिताजी ने अकेले ही उसके 6 भाई–बहिनों का लालन–पालन किया था। अपने पिताजी के प्रति आदर सम्मान को व्यक्त करने हेतु सोनोरा स्मार्ट दोद्द भी मदर्स डे के समान फादर्स डे मनाना चाहती थी इसीलिये उसने अपने मन की बात अपने मित्रों एवं स्वजनों के सामने प्रकट करते हुए मदर्स डे के समान ही फादर्स डे को मनाने का विचार प्रस्तुत किया।इस सम्बंध में सोनोरा स्मार्ट दोद्द ने अपने शहर के स्थानीय पादरी से मदर्स डे के समान फादर्स डे को आयोजित करवाने की प्राथना की, जिसे कुछ समय बाद पादरी महोदय ने स्वीकार कर लिया । पादरी महोदय के सरमन की अनुपालना में 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे बनाया गया। इसी परम्परा के अनुसार प्रति वर्ष जून महिने के तीसरे रविवार को अमेरिका एवम् कई अन्य देशों में फादर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है । पिछले कई सालों से विदेशो के साथ–साथ भारत में भी खासकर युवा वर्ग फादर्स डे को धूमधाम से मनाने लगा है ।

प्रति वर्ष जून माह के तीसरे रविवार को संसार के विभिन्न देशों में फादर्स डे मनाया जाता है । 15 जून 2025 को फार्दस डे मनाया जाएगा। वास्तव में किसी ने सही कहा है पापा सबसे स्पेशल हैं क्योंकि जब कभी हमें तकलीफ होती है तो वो हमारा हाथ पकड़ कर हमें सहारा देते हैं एवं हिम्मत देते हैं,जब कभी हम जानें–अनजाने में नियमों का उल्लघन करते हैं तो वे हमें डाटते–फटकारते हैं, जब कभी हमें सफलता मिलती है उस क्षण गर्व से उनका सीना 56 इंच चोडा हो जाता है एवं उनका चेहरा चमक उठता है । हमारी भारतीय संस्कृति के अंदर हम को प्रत्येक अच्छी चीज या आदत अथवा गुण को स्वीकार करने को कहा गया जो समय कुल हो और उन पुरानी प्रथाओं को त्यागने की सलाह दी जाती जो सर्व हित में नहीं हो । अत फादर्स डे या पितृ सम्मान दिवस को जो चाहे पश्चिमी देशों से आया हो, को अपनाने और समस्त वर्द्ध अशक्त पिता, दादा, नाना–नानी और आसपास के वृद्धजनों का सम्मान करने एवं उनकी देखभाल करने और उनकी जिंदगी को खुशहाल बनाने की परम्परा को अपनाना ही चाहिये।

आईये आज फादर्स डे पर हम सभी संकल्प लें कि–'हम अपने आप को पिता के प्रेम के योग्य बनायेंगे।

विश्व रक्तदान दिवस पर 62 जनों ने रक्तदान किया

हिंडौन सिटी। भारत विकास परिषद्, शाखा हिण्डौन सिटी एवम् जिला चिकित्सालय, हिण्डौन सिटी के संयुक्त तत्वाधान में निर्मल ए ठ्ठुप ऑफ इंस्टीट्ययूशन्स, हिण्डौन सिटी के सहयोग से जिला चिकित्सालय परिसर में "विश्व रक्तदाता दिवस" के अवसर पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में भीषण गर्मी के बावजूद 62 जनों ने रक्तदान किया। शिविर में पिता – पुत्री, पति – पत्नी के अलावा 12 जनों ने प्रथम बार रक्तदान किया। शाखा सचिव दीनदयाल सिंघल ने बताया कि शिविर को मुख्य अतिथि हिण्डौन उपजिला कलैक्टर हेमराज गुर्जर, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ पुष्पेन्द्र गुप्ता, शाखा अध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता एवम् भामाशाह मनीष चौधरी ने भारत माता एवम् स्वामी विवेकानन्द जी के चित्रपट पर माल्यार्पण एवम् दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगीत से विधिवत् आरम्भ किया। उपजिला कलैक्टर श्री गुर्जर ने मौसम के कठोर मिजाज़ की परवाह न कर परिषद् व जिला चिकित्सालय के शिविर आयोजित करने एवम् रक्तदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने को सच्ची मानवसेवा बताते हुए इसकी सराहना की। उदघाट्न सत्र समाप्ति में गुजरात में विमान दुर्घटना में हुई लोगों की जनहानि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रृद्धांजलि दी।

> **■ एक दर्जन से अधिक पिता-पुत्री एवं पति-पत्नी ने किया रक्तदान**

कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय प्रभारी पंकज जैन ने किया। रक्तदान प्रभारी मोहित मित्तल ने बताया कि परिषद् एवम् जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में भीषण गर्मी के बावजूद भी खासा जोश रहा। शिविर में मुक्ता अठावाल प्रथम रक्तदान बनी। वहीं मोनिका पत्नी डॉ बृजेश चौधरी, मुक्ता अठावाल पत्नी अनिल सिंघल, कनिका अठावाल पुत्री विनोद अठावाल ने साथ में रक्तदान किया। शिविर में 12 रक्तदाताओं ने प्रथम बार रक्तदान किया। शिविर में कुल 62 यूनिट रक्त संठाहण हुआ इसमें जयपुरिया अस्पताल, जयपुर ने 43 एवम् जिला चिकित्सालय, करौली ब्लड बैंक ने 19 यूनिट रक्त संठाहण किया। हिण्डौन, जिला चिकित्सालय के ब्लड स्टोरेज को जयपुरिया अस्पताल, जयपुर ने वक्त ज़रूरत हेतु आज 30 यूनिट रक्त उपलब्ध कराते हुए मदर ब्लड बैंक की भूमिका निभाई। प्रांतीय सेवा गतिविधि संयोजक देवेन्द्र शर्मा ने शिविर में रक्तदान करते हुए बताया कि परिषद् का रक्तदान शिविर आयोजित करने का मूल उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में बनी भय, भ्रम, भ्रांतियों को दूर कर उन्हें रक्तदान के लिए प्रेरित करना है, उन्होंने प्रचण्ड गर्मी में पति – पत्नी, पिता – पुत्री एवम् प्रथम बार रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं की सराहना की। हिण्डौन शहर भाजपा मण्डल अध्यक्ष बबली चतुर्वेदी एवम् अन्य लोगों ने रक्तदान के प्रति रक्तदाताओं के जोश को देखते हुए संयुक्त तत्वाधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की प्रशंसा की।

राशिफल रविवार 15 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र दिन 3:51 तक, ऐन्द्रयन योग सायं 4:48 तक, बालव करण दिन 3:51 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मकर, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज आषाढ़ संक्राति, राजस संक्राति है। सूर्य मिथुन में प्रात: 6:44 पर प्रवेश करेगा। पुण्य काल प्रात: 6:44 से दिन 12:39 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:36 तक, शुभ 2:09 से 3:52 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:17

मेष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

कर्क

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

स्वास्थ्य ठीक रहेगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे।

तुला

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये–पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता संभव है। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क बनेंगे।

मकर

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। आज परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कुंभ

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कबीर जयंती पर धाणक समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित किया

चूरु (निसं)। टाउन हॉल में शनिवार को 628वीं कबीर जयंती धूमधाम से मनाई गई। कबीर जयंती के अवसर पर धाणक समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भी रखा गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में धाणका समाज की 150 से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व प्रतिक चिन्ह देकार सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मंचस्थ अतिथियों ने संत कबीर और बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेंद्र राठौड़ ने कहा की धाणक समाज मेहनत करने वाला समाज है और इस समाज ने आज तक किसी के आगे हाथ नहीं फैलाएं। यह समाज अपने पुरुषार्थ से आगे बढ़ा है समाज कुछ अच्छा करने के लिए प्रयासरत है। सांसद कुलदीप इंदौरा ने कहा समाज सदा सर्वोपरि है, हम चाहे किसी भी राजनीतिक दल से आते हो, लेकिन समाज का विकास और समाज का उत्थान हमारी अहम जिम्मेदारी है। सभा को संबोधित करते हुए डीएससी महायोद्धा स्वामी स्वदेश कबीर ने धाणक समाज के इतिहास के ऊपर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है। उसे हमें जानने की जरूरत है। स्वामी कबीर ने मंच पर उपस्थित भाजपा नेताओं से राजस्थान में भी शीघ्र ही आरक्षण में वर्गीकरण लागू करने की मांग भी की। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कठेरिया ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का काम कर रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा के सुशासन में हमारा समाज अब मुख्यधारा में आने लगा है। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने राजस्थान सरकार से चूरू जिला मुख्यालय पर कबीर छात्रावास की मांग रखी।

चूरु में कबीर जयंती के अवसर पर धाणक समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

- धाणक समाज ने आज तक किसी के आगे हाथ नहीं फैलाएं : राठौड़
- कार्यक्रम में छात्रावास और वर्गीकरण लागू करने की मांग रखी

वॉइस चांसलर विजय कायत ने कहा कि हरियाणा की तरह राजस्थान में भी भजनलाल शर्मा की सरकार को वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रदेश में वर्गीकरण को लागू करना ही चाहिए ताकि हमारे समाज के बच्चे भी डॉक्टर इंजीनियर जैसे उच्च पदों पर स्थापित हो सके। इस अवसर पर संरक्षक सीताराम लुगरिया ने मंच पर उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए पुरजोर तरीके से कबीर छात्रावास की मांग की। लूगरिया ने कबीर जयंती के मंच से धाणका समाज के विरुद्ध अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ से निवेदन किया कि राजस्थान सरकार धाणका समाज के अनुसूचित जनजाति के प्रमाण पत्रों पर लगी रोक को हटाए साथ ही लूगरिया ने पाटन स्थित कबीर आश्रम में आ रही निर्माण बाधा से अवगत करवाया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेंद्र धाणक ने सम्मानित होने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी और कार्यक्रम में पधारे हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, पूर्व मंत्री अनूप धाणक, रामप्रवेश डाबला, लक्ष्मण इंदौरा, जोगीराम खुंडिया, कैप. तुलाराम, सरपंच सोनू सरोहा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कबीर जयंती के अवसर पर राजकीय सेवा में चयन होने वाले कर्मचारियों, खेल व अन्य परिक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व कक्षा 10 व 12 में 75 प्रतिषत अंकों से अधिक प्राप्त करने वाले 150 से अधिक छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। लोक नृत्य कलाकार प्रमोद खेमाना ने अपने मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। कवि विजय निनानिया ने समाज को समर्पित कविता की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सतवीर सिंह खन्ना, उमराव सिंह खरोड़, जगमाल सिंह खरोड़ ने सयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सचिव गुरू धाणका, पवन बागड़ी, सोनू सिरोहा, धर्मवीर खारिया, पूर्ण होटला, शेर सिंह होटला, महेंद्र धाणक, एडवोकेट रामकुमार, मुकेश धाणका, गोविंद खनगवाल, गिरधारी लुगरिया, महावीर खनगवाल, हवासिंह इंदौरा, अनीश लुगरिया, विकास खन्ना लीलकी, प्रेमराज लुगरिया, मुकेश खुंडिया, राज खरोड़, विक्रम खरोड़, जयप्रकाश खरोड़, प्रताप खरोड़, पूर्ण होटला, सुमेरमल धानका, मूलाराम धाणका, निरंजन धानका, पवन होटला, बलवीर नीनानीया, समुन्द्र धाणक, सीताराम खरोड़, सुमेर सिंह होटला, सुरेंद्र सिंह खन्ना, सुरेंद्र लूटाणा, रामपाल डाबला, महेंद्र लुगरिया, गोविन्द लुगरिया, सेवादास, सुरेश धाणका, रामलाल धाणका, श्रवण खुंडिया, सीताराम इंदौरा, कलावती लुगरिया, मंजू इंदौरा, सुमीत्रा लुगरिया, संदीप लुगरिया, रविंद्र इंदौरा, अशोक लुगरिया, दिनदयाल लुगरिया, विनीत, मदन फ़ौजी सहित सेंकड़ों की संख्या में महिलाएं व पुरूष उपस्थित थे।

जलदाय मंत्री ने एईएन को फटकार लगाई

झुंझुनूं, (निसं)। सूबे के पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी झुंझुनूं के दौरे पर है। इस दौरे के तहत जब शनिवार को पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी सर्किट हाउस पहुंचे तो भाजपा शहर अध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने विधायक राजेंद्र भांबू के जरिए शहर में बिगडी पानी सप्लाई का मुद्दा उठाया और कहा कि शहर में एक दिन छोड़कर एक दिन पानी की सप्लाई हो रही है। जिसे पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने गंभीर माना और सर्किट हाउस में ही सिटी एईएन पुनित सैनी को बुलाया। जिससे एक दिन छोडकर एक दिन पानी सप्लाई का कारण पूछा तो वे ठीक से जवाब नहीं दे पाए। जिस पर पीएचईडी कन्हैयालाल चौधरी ने एईएन सिटी को जमकर लताड़ लगाई और एक बार तो धमकाने के लहजे से सिटी एईएन को चुप तक रहने और बकवास बंद करने तक बोल गए। पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि पैसों की कमी नहीं है और ना ही पानी की कमी है। लेकिन व्यवस्थाओं के कारण पानी सप्लाई नहीं हो पा रहा है। उन्होंने एईएन से कहा कि 10-15 लाख रूपए, जितने भी खर्च होते है। वो खर्च कर वॉल्व आदि लगाए जाए। ताकि प्रेशर के साथ पानी हर घर तक पहुंचे और रोज पहुंचे। उन्होंने सिटी एईएन पुनित सैनी से कहा कि 15 दिनों में यदि प्रेशर से पानी पहुंचने का काम नहीं किया तो वे सस्पैंड कर देंगे। साथ ही पीएचईडी मंत्री ने कहा कि अवैध कनेक्शन है तो उसकी जांच करो। चाहे इसके लिए कितनी भी सड़कें तोड़नी पड़े। लेकिन एक-एक कॉलोनी की जांच करो। अवैध कनेक्शन काटा और मुकदमे भी दर्ज करवाओ।

सार-समाचार

29 वां महाप्रयाण दिवस मनाया

चूरू (निसं)। स्थानीय तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साध्वी मंगलप्रभा के सानिध्य में तेरापंथ धर्मसंघ के 9वें आचार्य गणाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी का 29वां महाप्रयाण दिवस षनिवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर साध्वी मंगलप्रभा ने कहा कि आचार्य तुलसी ने अल्प आयु में ही दीक्षा ग्रहण की। वे मात्र 22 वर्ष की आयु में ही आचार्य बन गए थे। आचार्य तुलसी ने महिला शिक्षा पर जोर दिया। साधु-साध्वियों ने संस्कृत के अध्ययन पर जोर दिया। अणुव्रत, जीवन विज्ञान जैसे अवदान दिए। जैन विष्व भारती लाडनूं आचार्य तुलसी की अनोखी देन है। जहां पूरे विष्व के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इससे पूर्व साध्वी-वृंद ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। साध्वी प्रणवप्रभा ने मंगलाचरण के रूप में तुलसी अष्टकम का संगान किया। कन्या मंडल संयोजिका आयुषी कोठारी, डॉ. मांगीलाल श्यामसुखा, पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, प्रो. कमल सिंह कोठारी, तेरापंथी महासभा के आंचलिक प्रभारी राजेश बांठिया ने अपने विचारों के माध्यम से आचार्य तुलसी के प्रति भावांजलि अर्पित की। इस दौरान सुन्दर देवी पारख ने गीतिका के माध्यम से अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। साध्वी प्रणवप्रभा ने आचार्य तुलसी के अवदानों की जानकारी दी। इस अवसर पर शांतिलाल कोठारी, महेंद्र पारख, दीलिपराज दूगड़, पूर्व पार्षद ताराचंद बांठिया, अजय दफ्तरी, प्रकाश कोठारी, राजकुमार कोठारी, सुरेश सरावगी, ज्ञानचंद सुराणा, महेंद्र बोथरा, नोरत कोठारी, प्रताप सुराणा, रवि कोठारी, गुरदास भारती, शिवकुमार चौमाल, रवि दाधीच सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल की बहनें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन साध्वी समप्रभा ने किया।

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

राजलदेसर (निसं)। शासनश्री साध्वी मानकुमार के पावन सानिध्य में तेरापंथ धर्म संघ के नवमाचार्य गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी के 29 वें महाप्रयाण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी स्नेहप्रभा के मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए शासन साध्वी मानकुमारी ने कहा - आचार्यश्री तुलसी एक ऐसे महापुरुष थे जो जन-जन का उत्थान करना चाहते थे। अणुव्रत के माध्यम से उन्होंने मानवजाति का कल्याण किया। आचार्य तुलसी मेरे शिक्षा गुरु व दीक्षा गुरु थे। वे अमाप्य पुरुष थे। अतुलनीय व्यक्तित्व के धनी थे। वे क्रांतिकारी पुरुष थे। विरोधी परिस्थितियों में भी वे निडर होकर आगे बढ़ते रहे क्योंकि वे सत्य बात कहने में हिचकिचाते नहीं थे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत यात्राएं की। पांव पांव चलकर गांव-गांव में नैतिकता की अलख जगाई। उनके तेजस्वी मुखमण्डल की आभा सबको आकर्षित करती थी। आचार्य महाश्रमण व शासनमाता आचार्य तुलसी की ही कृति हैं। मैं ऐसी महान आत्मा के प्रति नतमस्तक हूँ। इस अवसर पर साध्वी कीर्ति रेखा, साध्वी कमलयशा व साध्वी चैत्यप्रभा ने वक्तव्य, गीत व कविता के माध्यम से आचार्य तुलसी के व्यक्तित्व व कर्तृत्व पर प्रकाश डाला। तेरापंथ महिला मंडल, ममता कुंडलिया, पूजा बैद, मोनिका बैद, स्वाति नाहर, सविता चिंडालिया, चेतना बैद आदि ने अपने आराध्य की अभ्यर्थना की। कार्यक्रम में श्रावक-श्राविकाओं की सराहनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संयोजन साध्वीश्री इन्दुयशा ने किया।

योगाभ्यास एवं पौधारोपण कार्यक्रम

सीकर (निसं)। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा होने वाले मुख्य कार्यक्रम के पूर्व योगाभ्यास कार्यक्रमों के अंतर्गत आयुष मंत्रालय द्वारा जारी कामन योगा प्रोटोकॉल का पूर्व योगाभ्यास स्मृति वन में कर वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के निर्देशानुसार आयुर्वेद विभाग उपनिदेशक, जिला नोडल अधिकारी डॉ. राजेश कुमार जोशी के मार्गदर्शन में योगाभ्यास में प्रार्थना के पश्चात सूक्ष्म यौगिक क्रियाएं संपन्न कराई गई और आधुनिक जीवनशैली एवं योग के महत्व विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। जिला योग प्रकोष्ठ के सहायक नोडल अधिकारी डॉ रमेश कस्वां ने आमजन को योग कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आ ान किया। कार्यक्रम में डॉ पंकज त्रिवेदी, डॉ मोहसिन, डॉ राहत, पतंजलि महिला योग समिति से निधि, योग ट्रेनर महावीर जांगिड़ आदि उपस्थित रहें।

वृहद डाक मेले का आयोजन 19 जून को

झुंझुनूं, (निसं)। शाखा डाकघर नांद में 19 जून गुरूवार को वृहद डाक मेले का आयोजन अधीक्षक डाकघर झुंझुनूं द्वारा किया जाएगा। जिसमें नए आधार कार्ड बनवाने, आधार अपडेट यानी किसी भी प्रकार के आधार में संशोधन, सभी प्रकार के पोस्ट ओफिस के खाते एसबी अकाउंट, आरडी अकाउंट, प्रधानमंत्री सुकन्या योजना के खाते, टीडी अकाउंट, एनएससी, एमआईएस, पीपीएफ, सीनियर सिटिजन, आईपीपीबी, पीएलआई, आरपीएलआई आदि कार्य किए जाएंगे। इसलिए सभी ग्रामवासी नांद व नांद का बास सहित आस-पास के गांवों के लोग इसका लाभ उठाने के लिए सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक अवश्य पधारें। पोस्ट ओफिस के एसबी बचत खाते पर बैंक की तरह ही चैक बुक जारी होती है। प्रधानमंत्री सुकन्या योजना के खाते लड़की के नाम से खोले जाते हैं। जिसकी उम्र जीरो से 10 साल तक होनी चाहिए। जो एक व्यक्ति के दो लड़कियों तक खाते खोले जा सकते हैं। इस योजना में सबसे ज्यादा ब्याज है व जमा रकम लड़की की शादी पर मिलती है व आप चाहे तो कुछ रकम लड़की की शिक्षा के लिए भी काम में ले सकते हैं। यह जानकारी शाखा डाकपाल जगदीश सिंह शेखावत ने दी है।

विश्व रक्तदाता दिवस मनाया

सीकर (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में आयोजित अभिरुचि एवं कला कौशल शिविर के अंतर्गत शनिवार को रक्तदाता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंजू यादव प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनपुरा ने की। महेंद्र कुमार पारीक सचिव स्थानीय संघ सीकर ने इस अवसर पर रक्तदान करने से होने वाले लाभ बताएं। स्काउट मास्टर मनोहर लाल ने श्वेत रुधिर कणिकाएं एवं लाल रुधिर कणिकाओं के बारे में बताया। दीनदयाल शर्मा व्याख्याता ने रक्त देने की उम्र एवं बच्चों को इसके लिए प्रचार प्रसार के लिए आ ान किया। इस अवसर पर पवन कुमार,बजरंग लाल, मोहन लता, मानसी माथुर, रेखा शर्मा, बबीता शर्मा ,विनोद ऐचरा सहित स्काउट गाइड के सदस्य उपस्थित रहें।

शिक्षा मंत्री 18 जून को लक्ष्मणगढ़ आएंगे

सीकर (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर 18 जून (बुधवार) को लक्ष्मणगढ आएंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर रतन कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर 18 जून को जयपुर से प्रातः 7 बजे प्रस्थान कर प्रातः 9.30 बजे लक्ष्मणगढ पहुंचेंगे तथा लक्ष्मणगढ में प्रातः10 बजे वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर लक्ष्मणगढ से दोपहर एक बजे नागौर के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

जल संरक्षण जन अभियान आयोजित

रतनगढ़ (निसं)। तहसील के ग्राम पंचायत नोसरिया में विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद व्यास के निर्देशानुसार वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का ब्लॉक स्तरीय आयोजन सरंपच संतोष कँवर की अध्यक्षता में किया गया।अभियान के तहत जल जागरूकता रेली का आयोजन किया गया जो राजकीय विद्यालय से रवाना होकर गांव के मुख्य मार्गो से होते हुवे ग्रामवासियों को जागरूक किया। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा वृक्षारोपण किया गया तथा साफ सफाई की गतिविधियों का आयोजन किया गया।

सार-समाचार

प्रतिभाओं का सम्मान किया

सीकर (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सबलपुरा में कक्षा 10 और 12 में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कक्षा 12 के कृषि संकाय की छात्रा हंसिका 90प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की टॉपर रही। छात्रा सोनू कुमावत एवं रूचिका शर्मा ने 87.80प्रतिशत, दिवेश ने 81.40प्रतिशत,रोहित ने 80.60प्रतिशत,चेतन शर्मा ने 77.60प्रतिशत ,कृष्णा ने 75प्रतिशत, योग्यता नेहरा एवं निकिता ने 74.40प्रतिशत अंक प्राप्त किये । कक्षा 10 के हिमांशु ने 82प्रतिशत, गुंजन ने 76.5प्रतिशत, सुमन ने 73.6प्रतिशत तथा पूजा ढाका ने 71 अंक प्राप्त किये ।संस्था प्रधान मनीषा ढाका ने बताया कि उनके द्वारा निजी खर्चे से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हंसिका कुमारी को हवाई यात्रा करवाई जाएगी ।कक्षा 12 की परीक्षा परिणाम 100प्रतिशत रहा । 6 विद्यार्थियों ने 80प्रतिशत से अंक अधिक तथा 17 विद्यार्थियों ने 70प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया 81 में से 32 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उतरन हुए। इन होनहार विद्यार्थियों का माला एवं साफा पहनाकर तथा गुलाल लगाकर सम्मान किया गया। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

चूरू (निसं)। नवाब क़ायम खां के 606 वें शहादत दिवस पर इंसानियत एकता सेवा समिति की ओर से भारतिया कुएं सामने स्थित स्टे रिलेक्सड फिजियोथेरेपी हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर व दुआ-ए-मगफिरत की मजलिस आयोजित कर नवाब कायम खां को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मुश्ताक खान ने की। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने नवाब कायम खां के जीवन पर प्रकाष डाला। इस अवसर पर डॉ. पुष्पा खारड़िया ने कहा कि शिविर में 72 लोग लाभान्वित हुए। शिविर में डॉ. अजहर कुरैशी, डॉ. के डी यादव, डॉ. शाहनवाज खान, डॉ. अख्तर खान ने अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर जाफर खान, इमरान बी खान, अजीज खान, प्राप्त खान, महबूब खान, आवेश कुरैशी, सुलेमान मनिहार, विनोद खारड़िया, प्रदीप सैन, सुनील जांगिड़, आमीन खान, सोयल खान डीके, जाकिर खान, रेहान खान, फरमान खान, शोयब खान, असलम भाटी, अशरफ भाटी आदि उपस्थित थे। समिति के मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वाई-फाई युक्त लाइब्रेरी का उद्घाटन

रतनगढ़ (निसं)। श्री स्वरूप राजपूत छात्रावास रतनगढ़ में बालिकाओ के लिए अलग से वातानुकूलित वाई-फाई युक्त लाइब्रेरी का उद्घाटन राव श्री बिदाजी राठौड़ संस्थान के महामंत्री सुमेर सिंह राठौड के कर कमलो द्वारा हुआ। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता हनुमान सिंह शेखावत, भीखम सिंह राठौड,भरपालसर,पर्वत सिंह ठठावता, विजय सिंह राठौड़, करणी सिंह राजियासर, महिप सिंह राठौड़ टठावता, डिंपल कंवर, निधि कंवर, दीपिका राठौड़, रेनू कंवर, विजिता, सुनीता सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

वैदिक शांति यज्ञ आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम हेजमपुरा में स्व. विकास बुडानिया 'विक्की' की तृतीय पुण्यतिथि पर वैदिक शांति यज्ञ का आयोजन किया गया।

जल संरक्षण की मुहिम में जन जागरूकता के लिए मीडिया की महत्ती भूमिका : जिला कलेक्टर

सीकर, (निसं)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा की अध्यक्षता में मीडिया राउंड टेबल कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर जल संरक्षण एवं जल संचय के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न विभागों ने अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों और नवाचारों की विस्तृत जानकारी मीडिया के साथ साझा की। कार्यक्रम में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में आमजन की सहभागिता एवं जुड़ाव बढाने पर मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ ही सभी वक्ताओं ने बल दिया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि सीकर जिला वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, भामाशाहों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से जल संरक्षण और जल संचय के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल संरचनाओं की साफ-सफाई, मरम्मत और नवीन निर्माण कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागिदारी की आवश्यकता के मद्देनजर राज्य सरकार ने वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान संचालित किया है। इस अभियान के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित अभियान में परम्परागत जल संरक्षण में सरंचनाओं जैसे टांके, बावड़ी , जोहड़, कुएं व तालाब के जीर्णोद्धार एवं साफ-सफाई कार्य जिले के ग्रामीण क्षेत्र एवं नगर परिषद, नगर पालिका क्षेत्रों में किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जल एवं पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को आमजन तक पहुंचाने एवं उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए मीडिया कर्मियों के सहयोग की महत्ती आवश्यकता है।

अधीक्षण अभियन्ता वाटरशैड रमेश कुमार मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी गई,जिसमें जल उपयोगिता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग द्वारा 10 जून 2025 को जिले के सभी ब्लॉक में एक-एक ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विभाग द्वारा मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना 2.0 प्रथम चरण अंतर्गत पूर्ण हुए 2267 कार्यों की राशि 49.14 करोड़ का अवलोकन कराया गया जिसमें सभी सभी ब्लॉक में कृषकों के खेतों में वर्षा जल छत, टांका का निर्माण में फार्म पॉन्ड निर्माण कार्य सम्मिलित है। जिले के मीडिया कर्मियों को खंडेला के जयरामपुरा व अन्य ग्रामों में विभाग द्वारा बनाए गए फार्म पॉन्ड कार्यों का भ्रमण कराया जिसमें मीडिया के कार्मिकों ने कार्यों की उपयोगिता के बारे में ग्रामीणों से फीडबैक लिया। उन्होंने बताया क मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान अंतर्गत चयनित सभी 118 ग्राम पंचायत में जल संरक्षण के प्रति जन जागृति उत्पन्न करने के लिए 51 रात्रि चौपाल का आयोजन करने के साथ ही विभाग द्वारा एमजेएसए 2.2 अंतर्गत 36 जल संरक्षण कार्यो की राशि 1.65 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति तथा हरियालों राजस्थान कार्यक्रम के तहत पौधारोपण के निर्मित विभाग एडवांस कार्य संपादन अंतर्गत गड्ढे खुदाई का कार्य किया गया

जिले में एमजेएसए अंतर्गत लगभग 600 फार्म पोंड का निर्माण कराया गया है। एक फॉर्म पॉइंट में लगभग 15 लाख लीटर वर्षा जल संग्रहित होता है जिससे कृषक अपनी 15 बीघा भूमि में सिंचाई करके अपने उत्पादन में वृद्धि करता है साथ ही सब्जियों की फसल करता है।

विप्र फाउंडेशन की बैठक आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। विप्र फाउंडेशन जिला इकाई द्वारा झुंझुनूं शहर मुख्यालय पर आयोजित होने वाले ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह 2024-25 को लेकर एक आवश्यक बैठक स्थानीय जोशियों की कुटिया में आयोजित की गई। जानकारी देते हुए विप्र फाउंडेशन के संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता दाधीच समाज के जिलाध्यक्ष रामनिवास शर्मा ने की। बैठक में शहर के विभिन्न ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा चर्चा कर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पूर्व में 29 जून को निर्धारित ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह के दिन सरकार द्वारा दो परीक्षाएं यूजीसी नेट व 10वीं व 12वीं पास विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन होने के चलते सम्मान समारोह आगामी छह जुलाई रविवार को करना प्रस्तावित किया गया है। इसके साथ ही बैठक में सम्मान समारोह को पूर्ण सफल एव भव्य बनाने के लिए सभी उपस्थित विप्रजन ने अपने अनुभव साझा करते हुए सुझाव भी व्यक्त किए। ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह 2024-25 में भाग लेने वाले छात्र छात्राओं जिन्होंने दसवीं व बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में 90 व उस से अधिक अंक प्राप्त किए हो के आवेदन के लिए अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित की गई है। वहीं 25 जून के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन जिला टीम के समक्ष स्वयं प्रस्तुत होकर या जारी किए गए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किए जा सकते हैं। बैठक में विप्र फाउंडेशन जिलाध्यक्ष कमलकांत शर्मा, गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उमाशंकर महमिया, एडवोकेट सुशील जोशी, वशिष्ठ कुमार शर्मा, सुभाष जोशी, रामगोपाल शर्मा बीएमएस, अशोक जोशी, अमृतलाल जोशी, श्यामसुंदर निर्मल, राकेश सहल, चंद्रप्रकाश शुक्ला, दिनेश जोशी, विजय शंकर जोशी, हरिकिशन शुक्ला, अनिल जोशी, एडवोकेट कमल शर्मा, सुरेंद्र कुमार जोशी, रमेश कुमार महमिया, रमेश चौमाल, ओमरतन जोशी, श्यामसुंदर शर्मा, सुरेंद्र कुमार दाधीच, दीपक जोशी, संदीप कुमार सहल, रामचंद्र जोशी, नवीन जोशी, अंकित जोशी, विक्की जोशी, सीपी जोशी, बबलू जोशी, गौरव दाधीच, विक्रांत जोशी, राजीव पांडे, कृष्णानंद शर्मा, प्रमोद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, सौरभ पुरोहित सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

पोस्टर का विमोचन

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के नेहरू पार्क में चल रहे योग शिविर में पूर्व विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभकरण चौधरी ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस योगा प्रोटोकॉल के पोस्टर का विमोचन किया। पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी पवन कुमार ने उपस्थित योग साधकों को योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर अनेक योग साधकों ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस के बाद भी नियमित योग करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मनीराम खालिया, शुभकरण चौधरी, ओमप्रकाश मीणा, विनोद पुजारी, बनवारीसिंह राठौड़, डॉ. संपत्त बारूपाल, संजय अग्रवाल, सुभाष सोनी, राहुल कुमार, सुमित्रा खालिया, रामनिवास जिनोलिया, रजनी जिनोलिया, सबाना, सबनम बानो, प्रेम पूनियां, सावित्री चौधरी के अलावा अनेक योग साधक उपस्थित थे।

शहादत दिवस मनाया

झुंझुनूं, (निसं)। शनिवार को हिसार के शासक रहे नवाब कायम खां का 606वां शहादत दिवस मनाया गया। झुंझुनूं जिला मुख्यालय के खेतड़ी महल में कायमखानी महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नवाब कायम खां को याद किया गया तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस मौके पर कायमखानी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल शौकत अली, जिलाध्यक्ष उम्मेद खां गिडानिया तथा शिक्षाविद् युनूस भाटी ने कहा कि नवाब कायम खां का जीवन देश को समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा अपनी प्रजा की रक्षा की और सेवा की। आज के दिन यही आ ान किया किया सभी देश के लिए अपना जीवन समर्पित करें। पहले भी 300 से अधिक कायमखानी लोगों ने देश की सेवा में अपनी जान कुर्बान की है। नवाब कायम खां का संदेश था कि एक रहो। उसे ही सब तक पहुंचाना है। इस मौके पर वक्ताओं ने शिक्षा की महत्ता बताई और कहा कि बिना शिक्षा किसी भी कौम की तरक्की संभव नहीं है। इसलिए शिक्षा पर ध्यान दें। बेटे-बेटियों को खूब पढाएं और उन्हें आगे बढने का मौका दे। इस मौके पर रक्तदाताओं का हौंसला बढाने के लिए पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा भी पहुंचे।

'अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर आमजन को पौधारोपण के लिए प्रेरित करें'

सीकर (निसं)। राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत जिले के उद्यिमयों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह ने उद्यिमयों से जल संरक्षण भावी पीढी के लिए संरक्षित करने के लिए जल संरक्षण की महत्ता बताई गई। उन्होंने वंदे भारत गंगा जल संरक्षण जन अभियान के क्रियान्वयन की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी मानसून से पूर्व प्राचीन कुएं, बावड़ी, तालाब और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई कर जल संरक्षण के लिए तैयार रखने के दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही राज्य सरकार के हरियालों राजस्थान के तहत जिले में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और आमजन को इसके लिए जागरूक करने की बात कही।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा द्वारा कार्यशाला में उद्यिमयों को की महत्ता तथा जल संरक्षण पर प्रकाश डाला और अधिकाधिक जन सहयोग प्रदान करने का आ ान किया गया।

बैठक में के राजेश पोपलानी, लोटस डेयरी के पीके सिंह ने पर किए गए कार्यों से राजस्व राज्य मंत्री को अवगत कराया। कार्यशाला में लघु उद्योग भारती के कमल किशोर डोलिया, रामनिवास रॉयल, पलसाना के उद्यमी विवेक खंडेलवाल, आनंद वर्धन, बजाज फाउंडेशन की राखी सोमकुवार, रूपाफाउंडेंशन के सुनिल मौर, पावरग्रिड कॉरपोरेशन से संजय यादव तथा जिले के उद्यमी संघ के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिये।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगाजल संरक्षण जन अभियान अंतर्गत जिले के उद्यिमयों की कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में पूर्व सांसद सीकर सुमेधानंद सरस्वती, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, डॉ. बीएल रणवां, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजपाल यादव, यूआईटी सचिव जेपी गौड़, वरिष्ठ भू-जल वैज्ञानिक दिनेश शर्मा, वाटरशेड अधीक्षण अभियंता रमेश मीणा व डॉक्टर संजय खींचड़,ईश्वर सिंह राठौड़ पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने संबोधित किया। विकास सिहाग महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र द्वारा सभी उद्यिमयों को आधिकारिक जन सहयोग के लिए आव्हान किया गया तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

राजस्थान सरकार
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर सम्भाग
जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र, अजमेर RPSC के पास, जयपुर रोड़, अजमेर-305001
क्रमांकःएफ.()जि.उ.के.अ./MSEFC/Meeting/Minutes/2025/487 दिनांक 22.05.2025
Sh. Deshraj Somra S/o Sh. Bhagwan Singh C/o Rjshree Construction Co., Min Market, MOI Sadda, Jhunjunu - 333516
अंतिम नोटिस
केस नं. RJ/32/S/AJR/00227
M/s S.G.G. Cement Product Pvt. Ltd., F/35A-37, Road No. 2, RIICO Ind. Area, Niwai, Distt. Tonk (Raj.) द्वारा आरसीसी पाईप की आपूर्ति हेतु विलंबित भुगतान राशि रू. 268780.00 तथा देय ब्याज व GST राशि रू. 591209.00 सहित कुल राशि 859989.00 का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता ईकाई को नही किये जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSMED Act-2006 की धारा 18 के अन्तर्गत सुविधा परिषद को रेफरेंस प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 27.12.2023 में आप (क्रेता संस्था) को व आपूर्तिकर्ता संस्था को नोटिस दिनांक 08.12.2023 रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित किया जाकर, वाद के सम्बन्ध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया।
उक्त वाद से सम्बंधित परिषद की समस्त बैठको में आप (क्रेता पक्ष) अनुपस्थित रहे तथा ना ही आपने परिषद के पत्रो का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया/ सुविधा परिषद की बैठक दिनांक 09.05.2025 में परिषद द्वारा सर्वसम्मति से क्रेता के क्षेत्र मे राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता के व्यय पर क्रेता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करवाने का निर्णय लिया गया।
अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है की आपूर्तिकर्ता ईकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किये जाने के सम्बन्ध मे अपना प्रत्युत्तर 15 दिवस मे प्रस्तुत करें अन्यथा MSMED Act-2006 की धारा 16 के प्रावधानो के अनुसार कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगा।
(डी.के. शर्मा)
अध्यक्ष, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

25 लाख रुपये कीमत की स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

मामचारी थाना टीम ने स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है

करौली-(निसं.) मामचारी थाना एव जिला स्पे'ल टीम ने कार्यवाही करते हुए एक स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के नेतृत्व मे रोकथाम हेतु अवैध मादक पदार्थ व मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध ऑपरेशन स्मैक आउट चलाया जा रहा है जिसका सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम करौली एवं सत्येन्द्र पाल सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिण्डौन सिटी व वृताधिकारी वृत कैलादेवी श्रीमति मीना मीणा के निर्देशन में त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुयें मामचारी थानाधिकारी अवजीत एव डीएसटी टीम करौली के निर्देशन में जिला करौली द्वारा अवैध मादक पदार्थ सहित अभियुक्त को किया गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय की विशेष

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर डोडा-पोस्त जब्त किया।

- पुलिस का स्मैक आउट अभियान जारी

मॉनिटरिंग में ऑपरेशन स्मैक आउट के तहत जिले में स्मैक के कारोबारियों पर लगातार शिकंजा जारी है। जिला स्पेशल टीम एवं मामचारी थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में स्मैक के बड़े ठिकानें पर छापेमारी करते हुये स्मैक तस्कर को हिरासत में लेते हुए उससे करीब 25 लाख रुपए अंतर्राष्ट्रीय बाजार मूल्य की 74.83 ग्राम अवैध स्मैक सहित कार्यवाही कि है उन्होने बताया कि स्मैक तस्कर राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र हजारी माली 25 निवासी गोला बस्ती कोटा थाना मामचारी को गिरफ्तार कर लिया है बताया जा रहा है कि गत 13 जून को मामचारी थानाधिकारी मय टीम द्वारा गांव मांच पर आरोपी राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र हजारी माली 25 के कब्जे से 76.33 ग्राम स्मैक शुद्ध स्मैक 74.83 ग्राम मय एक मोटरसाइकिल जप्त कर ली है आरोपी के खिलाफ थाने पर एनडीपीएस एक्ट में पंजीबद्ध कर तफ्तीश गिर्राज प्रसाद थानाधिकारी कैलादेवी के द्वारा की जा रही है। उन्होने बताया कि कार्यवाही के दौरान मामचारी थानाधिकारी अवजीत कुमार, कांस्टेबिल. दानसिंह, रामगोपाल,रामपाल, रामनारायण,लक्ष्मीनारायण एव डीएसटी टीम प्रभारी देवेश कुमार, कांस्टेबिल रवि कुमार मीणा, रामदास,ललित किशोर,नेमी चन्द, रत्तों सिंह कि विशेष भूमिका रही।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

गंगापुर सिटी (निस)। पुलिस ने 6.2 ग्राम स्मैक सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उदेईमोड थाना पुलिस ने काजी कॉलोनी निवासी अहसान (30) को हिरासत में लिया है। एसपी ममता गुप्ता के निर्देश पर थानाधिकारी राजवीरसिंह के नेतृत्व में

- ओवरब्रिज के नीचे एक व्यक्ति पुलिस को देख मुड गया तब संदेह होने पर पकड़ा

पुलिस टीम गश्त कर रही थी। काजी कॉलोनी रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक व्यक्ति पुलिस को देखकर मुड गया। संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। आरोपी के पैजामे की दाहिनी जेब से एक पॉलिथीन में मटमैला भूरा चूर्ण मिला। जांच में यह स्मैक निकली। इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौलने पर स्मैक 6.2 ग्राम निकली। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया है।

कोतवाली गंगापुरसिटी के उप-निरीक्षक संपतसिंह मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस स्मैक की सोर्सिंग और तस्करी नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।वहीं पुलिस थाना उदेईमोड ने आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए खटीक मोहल्ला इस्लामपुरा निवासी यादराम पहाडिया (52) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के पास से देसी शराब के 52 पव्वे देसी शराब बरामद की गई।

जुर्माना वसूला

कोटा, (निसं)। मंडल में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए डीआरएम अनिल कालरा के मार्गदर्शन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में सवारी गाड़ियों में औचक सघन टिकट चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। विगत कई दिनों से लोकल सवारी गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने की लगातार शिकायतें मिल रही थी। जिसके मद्देनजर 14 जून को कोटा-रामगंजमंडी-भवानीमंडी रेल मार्ग पर चार सवारी गाड़ियों गाड़ी संख्या 59838 कोटा-अकलेरा, गाड़ी संख्या 61616 कोटा-नागदा, गाड़ी संख्या 61623 चौमहला-कोटा एवं गाड़ी संख्या 59837 अकलेरा-कोटा में विशेष टिकट चैकिंग अभियान चलाया गया।

इस टिकट चैकिंग अभियान में कुल 139 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए। जिनसे कुल 42,500 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। यह अभियान दरा, मोड़क, रामगंजमंडी एवं भवानीमंडी स्टेशनों पर विशेष रूप से चलाया गया।

पुलिस थाने में कूलर भेंट किए

कोटा, (निसं)। रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा भीषण गर्मी में पुलिसकर्मियों को तीन बड़े कूलर भेंट कर राहत पहुंचने का प्रयास किया है।

रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ के अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए क्लब द्वारा आरकेपुरम पुलिस स्टेशन में तीन जंबो कूलर प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ आर बी गुप्ता, अनुराग अग्रवाल एवं क्लब सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित कर भेंट किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेडक्रॉस सोसायटी राजस्थान के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला विशिष्ट अतिथि सहायक औषधि नियंत्रक प्रहलाद मीणा, महेंद्र कुमार मारू थाना अधिकारी आरकेपुरम सहायक प्रान्तपाल आनंद खंडेलवाल ने भाग लिया। अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत किया।

बीकानेर में धू-धू कर जली ए.सी. बस

खाजूवाला में भागवत कथा में जा रही थी बस, 50 से अधिक महिलाओं की जान बची

बीकानेर। जिले के खाजूवाला में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। शनिवार को भागवत कथा में शामिल होने जा रही 50 से अधिक महिलाओं की बस में अचानक आग लग गई। चालक की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से सभी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

आनंदगढ़ ग्राम पंचायत के गांव मुस्लिम जोड़ी में चल रही भागवत कथा में शामिल होने के लिए महिलाएं एसी बस में सफर कर रही थी। चक 28 केजेडी के पास बस में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शी विकास नाई के अनुसार, बस में लगभग 50-55 महिलाएं सवार थीं। कंडक्टर बलराम नाई ने बैटरी के तारों को उखाड़कर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। हालांकि, उनकी सतर्कता से सभी यात्रियों को समय रहते बस से बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा। आग इतनी भीषण थी कि बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह से जल गया और धुएं का गुब्बार दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। यदि चालक ने समय रहते बस नहीं रोकी होती, तो यह एक बड़े हादसे में बदल सकता था।

नाबालिग छात्रा की फोटो वायरल करने की धमकी

नोखा। जिले के नोखा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा से ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रात पीड़िता की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसमें गांव के ही एक युवक पर पीछा करने, फोटो खींचने, धमकाने और सोशल मीडिया पर बदनाम करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह 11वीं कक्षा पास कर चुकी है और वर्तमान में अपने माता-पिता के साथ रहती है। उसकी शादी हो चुकी है, लेकिन उम्र कम होने और पढ़ाई जारी रखने के कारण वह ससुराल नहीं गई है। छात्रा के अनुसार, पिछले तीन वर्षों से गांव का एक युवक उसका पीछा कर रहा था। स्कूल आते-जाते वह चुपके से मोबाइल से उसकी तस्वीरें खींचता था।

आरोप है कि युवक लगातार धमकियां देता रहा कि यदि पीड़िता उससे बात नहीं करेगी, तो वह उसकी तस्वीरों को अपनी तस्वीरों के साथ एडिट कर ससुराल और पति को भेज देगा। जब छात्रा ने बात करने से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने कथित रूप से एडिट की गई फोटो पीड़िता के पिता को भेज दी।

इस मामले में पहले गांव के स्तर पर समझौता करवा दिया गया था। आरोपी ने माफी मांगकर दोबारा ऐसा न करने का वादा भी किया था। लेकिन कुछ दिन बाद उसने पीड़िता के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना दी और उसकी तस्वीरें वायरल कर दीं। जब पीड़िता के पिता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने फिर धमकियां दीं।

इसके बाद पीड़िता ने साहस दिखाते हुए नोखा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच सीओ हिमांशु शर्मा कर रहे हैं। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

अवैध बजरी खनन पर जुर्माना

भीलवाड़ा। खनन विभाग, भीलवाड़ा के सहायक खनि अभियंता एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा जिले की रायपुर तहसील के पाटियों का खेडा व बाडी ग्राम के निवासियों के विरोध के बाद जिले की रायपुर तहसील स्थित खनन पट्टा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि स्वीकृत खनन क्षेत्र के बाहर, राजस्व ग्राम पाटियों का खेडा एवं बाडी की भूमि पर अवैध रूप से बजरी का खनन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार खनन पट्टाधारी अभिषेक चौधरी द्वारा स्वीकृत क्षेत्र से बाहर अवैध खनन किया गया है।

बारिश के नुकसान का जायजा लिया

भीलवाड़ा शाहपुरा नगर परिषद वार्ड संख्या 28 में शुक्रवार को आई तेज आंधी और बारिश के कारण हुए नुकसान का जायजा लेने शनिवार सुबह नगर परिषद के सभा पति रघुनंदन सोनी पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने भगवती देवी दमामी के निवास पर जाकर स्थिति का अवलोकन किया और सांत्वना व्यक्त की।

पार्षद दुर्गा लाल कहार ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को अचानक तेज आंधी और बारिश के चलते भगवती देवी दमामी के मकान की सीमेंट टिन शेड उड गया था। इस हादसे में मकान की ऊपरी छत गिरने से दो पुरुष और एक महिला घायल हो गई थी।

घायलों को तत्काल राजकीय जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति के सिर में तीन टांके लगे, एक के पैर में गंभीर चोट आई, जबकि महिला को भी सिर में हल्की चोटें पहुंचीं। घटना के समय क्षेत्रवासी ओम तेली, पीर, दीपक दमामी, राजू कोली सहित कई लोग मौके पर मौजूद रहे।

चलती ट्रेन से गिरे यात्री की मौत,

गंगापुर सिटी । पीलोदा थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर एक यात्री की चलती ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। घटना मॉडल स्कूल के पीछे खम्भा नंबर 1098/एफ 8 और एफ 10 के बीच हुई। मालगाडी के लोको पायलट ने स्टेशन उप प्रबंधक को शव पडे होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पीलोदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को गंगापुर सिटी के सरकारी अस्पताल की मॉर्चुरी में शिनाख्त के लिए रखवाया गया है। थानाधिकारी मानसिंह के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष है। वह नीली जींस और नीली शर्ट पहने हुए था। उसके चेहरे पर हल्की काली

- शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवाया शव
- जयपुर से कटनी तक का मिला टिकिट

दाढी है। मृतक की जेब से जयपुर जंक्शन से कटनी जंक्शन का टिकट बरामद हुआ है। पुलिस आस-पास के थाना क्षेत्रों में युवक की पहचान के लिए प्रयास कर रही है। अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

झगड़ा प्रथा पर रोक लगाने की मांग

समाज सुधार कमेटी ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

भीलवाड़ा। समाज में चल रही सामाजिक कुप्रथा झगड़ा प्रथा की रोकथाम को लेकर गुर्जर समाज सुधार कमेटी द्वारा जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपा।

एडवोकेट नरेन्द्र गुर्जर व सामाजिक कार्यकर्ता महावीर गुर्जर ने बताया कि जब कोई लडका लडकी आपसी सहमति से बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से शादी कर लेते है तो समाज के पंच-पटेल लडके के परिवार वालों पर सामाजिक दबाव बनाकर, मनमाने रूप से झगडे के नाम पर लाखों रुपये की राशि तय कर देते है। तय झगडा राशि निर्धारित समय मे लडके के परिवार को जमा करवानी पडती है।

इस झगडा कुप्रथा के कारण कई परिवार बर्बाद हो गए है, उन्हें अपनी जमीन तक बेचकर झगडा राशि देनी पडती है,परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते है, परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी मापदंडों पर पिछड रहे है।

आज इसी झगडा कुप्रथा पर रोक लगाने व झगडा प्रथा में शामिल लोगों पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग को लेकर गुर्जर समाज सुधार कमेटी ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान गुर्जर समाज सुधार कमेटी के नारायण भडाना, चांदमल गुर्जर, रामप्रसाद गुर्जर, चेनु कसाना, हरिलाल राक्षी, महावीर गुर्जर, महादेव चेची, कालू डाबला, शिवलाल सुल्तानगढ, दुधाराम गुर्जर, गोपाल दुदला, हीरालाल, देबी लाल, भागचंद, कैलाश, रामलाल, ऊँकार, पन्ना, ईश्वर, देवराज गुर्जर सहित सैकडों समाज जन उपस्थित रहे।

सामाजिक कुप्रथा झगड़ा प्रथा की रोकथाम को लेकर गुर्जर समाज सुधार कमेटी द्वारा जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपा।

- गुर्जर समाज सुधार कमेटी द्वारा जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपा।

लग्जरी बस से दस लाख के आभूषण चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ की रहने वाली एक महिला के लग्जरी बस में दस लाख के जेवरात चोरी हो गए। घटना 10 जून की है। 11 को केस दर्ज कराया गया। मामला सामने आने के साथ बनाड़ पुलिस हरकत में आई और बस में लगे सीसीटीवी फुटेज देखते हुए आभूषण चुराने वाली एक शातिर महिला को पकड़ने में सफलता हासिल कर ली। महिला को गिरफ्तार कर 102 ग्राम सोने के आभूषण भी जब्त कर लिए। उसे आज कोर्ट में पेश कर जेल भिजवाया गया है। महिला शुक्रवार को गहनो के साथ जोधपुर से महाराष्ट्र भागने वाली थी, मगर उससे पहले ही पुलिस उसके गिरेबान तक पहुंच गई।

बनाड़ थाने के एसआई राजूराम ने बताया कि बनाड़ की रहने वाली सुमन देवासी पत्नी सतपाल देवासी 10 जून को पावटा से बनाड़ के लिए एक लग्जरी बस में सवार हुई थी। बाद में वह बनाड़ चौराहा पर बस से उतर गई और बैग से पानी की बोतल निकालने लगी। तब पता लगा कि उसके बैग से रखे दस तोला सोने के आभूषण जिनमें रखड़ी सेट, हाथों के पुणचे, नथ आदि थे, गायब थे। उसके साथ में बच्चा होने से वह पता नहीं लगा पाई कि कैसे गहने चोरी हो गए। बाद में उसने अपने देवर महेंद्र को फोन कर इस बारे में जानकारी दी। इस पर फिर पुलिस को जानकारी दी गई।

एसआई राजूराम ने बताया कि थाने के कांस्टेबल महेश मीणा आदि ने मिलकर लग्जरी बस को चेक किया और उसमें लगे सीसीटीवी फुटेजों को देखा गया। परिवादी महिला सुमन ने बताया कि उसके पास में एक महिला बैठी थी जोकि बारबार उसे देख रही थी। जब वह बस से उठी तब वह महिला भी बस से उठ गई थी। जब बस से उतरने लगी तो वह महिला भी बस से उतर गई। सीसीटीवी फुटेज से संदिग्ध महिला को देखा गया।

पुलिस ने बनाड़ और आस पास लगे तकरीबन तीन दर्जन सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला। महिला बनाड़ चौराहा से उतरने के बाद एक टैंपों फिर कई सवारी टैक्सियों को बदल बदल कर निकली थी। पुलिस द्वारा उसका बराबर फोलो किया गया। आखिरकार उसकी लोकेशन विवेक विहार मिली। पुलिस ने तत्परता दिखाई और उस तक जा पहुंची। एसआई राजूराम ने बताया कि विवेक विहार में बनी कच्ची झुग्गी झोपड़ी से उसे शुक्रवार को दस्तयाब कर पूछताछ की गई। उसके पास 102 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हो गए। आरोपी महिला महाराष्ट्र की रहने वाली 48 वर्षीय शालू पत्नी अनित मेत्रे को गिरफ्तार कर लिया गया।

पति ने खुशबू के लिए सजाया था नया घर, लंदन से पाली पहुंचे डॉ. विपुल

पाली, (नि.सं.)। लंदन में खुशबू का इंतजार कर रहे पति डॉ. विपुल के लिए यह त्रासदी असहनीय है। शादी के बाद यह उनकी पहली लंबी मुलाकात होने वाली थी। उन्होंने लंदन में नया घर सजाया था, जो अब अधूरा सपना बन गया है। खुशबू अपने सास-ससुर से आशीर्वाद लेकर लंदन के लिए अहमदाबाद रवाना हुई थी। व्याकुल ससुर ने बताया कि हमने तो खुशबू को राजी-खुशी रवाना किया था, अगर ऐसा कुछ होने का पता होता तो भेजते ही नहीं। खुशबू के साथ हमारे घर की खुशी भी चली गई है। वहीं खुशबू की मौत की खबर के बाद उनके पति डॉ. विपुल भी नम आँखों के साथ लंदन से भारत के जोधपुर जिले में पहुंचे और अहमदाबाद के लिए निकल रहे थे लेकिन खुशबू के माता-पिता के मना करने पर जोधपुर ही है।

50 लाख लूटने वाले दो तांत्रिक गिरफ्तार

बीकानेर । यहां तंत्र-मंत्र से रुपए 33 गुना करने का झांसा देकर 50 लाख रुपए लूटने वाले दो तांत्रिकों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। इनका सरगना अभी फरार है। रुपए के लिए तांत्रिकों ने अपने ही दो साथियों और एक व्यक्ति को हलवे में नींद की गोलियां खिलाकर मार दिया था। मामला खाजूवाला थाना इलाके का है।

डीएसपी अमरजीत सिंह ने बताया- खाजूवाला निवासी गफ्फार और अजमेर निवासी शैतान सिंह और विक्रम सिंह की मौत हुई है। गिरोह का सरगना तांत्रिक कर्नाटक का रहने वाला एम.शिवा है, उसकी तलाश जारी है। वहीं जोधपुर निवासी रामस्वरूप और झारखंड निवासी मनोज को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी ने बताया कि एम.शिवा की गैंग में शैतान सिंह, विक्रम सिंह, रामस्वरूप और मनोज थे। गफ्फार, शैतान सिंह और विक्रम सिंह के संपर्क में आया था। दोनों ने गफ्फार को एम.शिवा नाम के तांत्रिक के बारे में बताया था। कहा था कि वह तंत्र-मंत्र से 1 करोड़ के 33 करोड़

- तांत्रिक ने हलवा खिलाकर बेहोश किया, दो साथियों सहित 3 की मौत
- तंत्र-मंत्र से 1 करोड़ के 33 करोड़ करने का झांसा

रुपए कर सकता है।

ठगों ने गफ्फार को अपने जाल में फंसाने के लिए दो बार रुपए डबल कर धोखा दिया। गफ्फार ने एक बार शैतान सिंह के माध्यम से 50 हजार रुपए तांत्रिक के पास भेजे थे। इस पर उसे 50 हजार के बदले एक लाख रुपए वापस दिया गया। 1 लाख रुपए दिए तो उसे 2 लाख रुपए वापस मिल गए। इस कारण उसका विश्वास जम गया। गफ्फार उनकी बातों में आ गया। दो शैतान सिंह ने अजमेर में तंत्र क्रिया कराने की कोशिश की, लेकिन रुपए का जुगाड़ नहीं हो पाया। ऐसे में गफ्फार ने खाजूवाला के स्थानीय लोगों से बात की।

गफ्फार की बातों में आकर डॉ. पूनाराम ने अपने साले से लेकर 45 लाख रुपए दे दिए। पुलिस जांच कर रही है कि पूनाराम ने भी रुपए 33 गुना बढ़ाने के लिए दिए थे या फिर किसी अन्य काम के लिए दिए थे। इसके अलावा मेडिकल स्टोर संचालक राजेंद्र पूनिया ने भी 5 लाख रुपए दिए थे। इसी तरह कई लोगों ने उसे पैसा दे दिया। इसके बाद कर्नाटक का तांत्रिक खाजूवाला तंत्र क्रिया करने आया। जून के पहले सप्ताह में कर्नाटक का तांत्रिक अपने चार साथियों रामस्वरूप, मनोज, शैतान सिंह और विक्रम सिंह के साथ खाजूवाला पहुंचा।

गफ्फार के घर की सभी महिलाओं को बाहर भेज दिया। उन्हें बोला कि तंत्र विद्या में उनका कोई काम नहीं है। 11 जून को तंत्र क्रिया शुरू की गई। दिनभर तांत्रिक क्रिया की। 12 जून को भी देर रात तक तंत्र क्रिया की। रात को एम.शिवा और उसके साथियों ने हलवे का प्रसाद तैयार किया। मौका पाकर तांत्रिक ने हलवे में नींद की गोलियां मिला दी। प्रसाद गफ्फार, उसके बेटे सलमान, शैतान सिंह, विक्रम सिंह और राजेंद्र को खिलाया। रात करीब 2 बजे प्रसाद वितरण के बाद तांत्रिक और उसके चारों साथी भाग गए। प्रसाद खाने के बाद गफ्फार, उसका बेटा सलमान और राजेंद्र बेहोश हो गए थे। सुबह सलमान को होश आया तो उसने घरवालों को घटना की जानकारी दी।

घरवाले गफ्फार और राजेंद्र को अस्पताल ले गए, जहां गफ्फार की मौत हो गई। कुछ ही देर बाद पुलिस को सूचना मिली कि शोभासर में एक फार्म हाउस के पास दो शव मिले हैं। थोड़ी देर में स्पष्ट हो गया कि ये शव शैतान सिंह और विक्रम सिंह के है। तांत्रिक के साथियों की मौत कैसे हुई इसकी जांच चल रही है। पुलिस ने सलमान का बयान लिया था। इसके बाद जांच करते हुए देर रात मेड़ता रेलवे स्टेशन से रामस्वरूप और मनोज को पकड़ लिया। दोनों ने पूछताछ में बताया कि कर्नाटक का एम. शिवा इनके साथ नहीं था। ऐसे में आशंका है कि वो किसी दूसरे रास्ते से फरार हुआ है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से उसकी तलाश में जुटी है।

बोनस अंक नहीं देने पर नियुक्तियों पर अंतरिम रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सामान्य श्रेणी के अंतिम कटऑफ से ज्यादा अंक होने के बावजूद नियुक्ति से वंचित करने को लेकर पेश हुई रिट याचिका की प्रारंभिक सुनवाई पर राज्य सरकार को तलब किया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुनील बेनीवाल ने विज्ञापित पद पर कार्यानुभव होने के बावजूद बोनस अंक नहीं दिए जाने पर आयुर्वेद नर्स-कम्पाउण्डर भर्ती प्रक्रिया में नियुक्तियों पर भी अंतरिम रोक लगाई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई सात जुलाई को होगी।

याचिकाकर्ता सौरभ कुमार की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी और विनीता चांगल ने रिट याचिका पेश कर बताया कि याचिकाकर्ता विकलांग अभ्यर्थी है और विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों के तहत विशेष योग्यजन प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आवेदन किया था। जिस पर राज्य सरकार द्वारा गठित सक्षम मेडिकल बोर्ड ने विकलांग कानून के नियमानुसार विकलांग प्रमाण पत्र जारी किया। जिसमें 41 फीसदी लोकोमोटर डिसेबिलिटी अंकित की गई। तत्पश्चात उसने आयुर्वेद विभाग की कम्पाउण्डर-नर्स जूनियर ग्रेड की पिछली भर्ती-2021 में अपना आवेदन पीएच श्रेणी में पेश किया था। भर्ती एजेंसी डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर ने विकलांग व्यक्तियों का चयन प्रक्रिया के दौरान मेडिकल परीक्षण करवाया और चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात भर्ती एजेंसी ने याचिकाकर्ता का नाम मेरिट में होने से नियुक्ति दिए जाने हेतु अनुशंसित किया गया। तत्पश्चात आयुर्वेद विभाग ने याचिकाकर्ता को नियुक्ति आदेश जारी कर उसे ज्वाइनिंग देने से पहले उसका मेडिकल बोर्ड से पुनः मेडिकल परीक्षण करवाया गया, जिसमें उसके 41 फीसदी विकलांगता आई और तत्पश्चात 28 जून 2022 को कम्पाउण्डर/ नर्स जूनियर ग्रेड द्वितीय पद पर जॉइन करवाया गया। उसने पांच जून 2024 तक लगातार उक्त पद पर सर्वेतनिक ड्यूटी की और छह जून 2024 को उसे सेवा से यह कहते हुए हटा दिया कि उसके तीसरी बार में एसएमएस अस्पताल जयपुर में हुए मेडिकल परीक्षण में उसकी निःशक्तता 40 फीसदी से कम पाई जाने से अब वह पीएच वर्ग में नियुक्त होने के योग्य नहीं रहा है। उक्त विधिविरुद्ध आदेश को हाइकोर्ट में चुनौती दी गई है जो रिट याचिका विचाराधीन है। अब याचिकाकर्ता ने कम्पाउण्डर/नर्स जूनियर ग्रेड के कुल 650 पदों हेतु चल रही वर्तमान भर्ती प्रक्रिया 2024 में अपना आवेदन सामान्य ईडब्ल्यूएस वर्ग में किया। चयन प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन लिस्ट में नाम शामिल किया गया और अस्थायी मेरिट लिस्ट में क्रम संख्या 7 पर उसका नाम सम्मिलित किया गया लेकिन चाहा गया विहित प्रारूप में अनुभव प्रमाण पत्र 24 मई 2025 को पेश कर देने के बावजूद उसका नाम अंतिम अस्थायी चयन सूची में शामिल नहीं किया गया। पूछे जाने पर भर्ती एजेंसी ने मौखिक रूप से बताया कि पूर्व में की गई सेवा की कार्यावधि की गणना बोनस अंक देने के लिए उचित प्रतीत नहीं होती। इसलिए याचिकाकर्ता का पूर्व में किया गया कार्य अनुभव को जीरो बताकर चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया, जो कृत्य मनमाना, विधिविरुद्ध और असंवैधानिक है। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि नियमित चयन प्रक्रिया में भाग लेकर चयन होने के बाद विज्ञापित पद पर किए गए कार्य अनुभव अवधि को बोनस अंक के लिए अविभिमान्य करना सरासर याचिकाकर्ता के साथ अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक है। वर्तमान में याचिकाकर्ता बेरोजगार है और उसके प्रार्थना अंतिम कटऑफ से ज्यादा है और आयुर्वेद विभाग अगले सप्ताह में नियुक्ति आदेश जारी करने की जल्दबाजी में है और ऐसे में अंतरिम आदेश दिए जाने की प्रार्थना की गई। मामले की प्रारंभिक सुनवाई पश्चात न्यायाधीश सुनील बेनीवाल की एकलपीठ ने रिट याचिका की अगली सुनवाई सात जुलाई को नियत करते हुए विज्ञप्ति नंबर 1/2024 दिनांक 10 दिसंबर 2024 के अनुसरण में यदि कोई नियुक्तियां की जाती है तो उसे इस रिट याचिका के निर्णयाधीन रोके जाने के अंतरिम आदेश दिए।

पुलिस कमिश्नर ने जनसुनवाई में परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया

'पुलिस की इस सकारात्मक पहल से आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर बढ़ रहा है'

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने शनिवार को श्याम नगर थाने के सामुदायिक केंद्र भागीरथ मार्ग पर जनसुनवाई कर मौके पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में श्यामनगर, सोडाला, महेश नगर, शिप्रा पथ, मानसरोवर, वैशाली नगर, करणी विहार एवं चित्रकूट क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग अपनी परेशानी को लेकर पहुंचे। इस जनसुनवाई के दौरान जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर(अपराध) कुंवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनन्द, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार,अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा,अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल,सहायक पुलिस आयुक्त सोडाला, मानसरोवर एवं वैशाली नगर एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने श्याम नगर थाने के सामुदायिक केंद्र भागीरथ मार्ग पर जनसुनवाई की।

जनसुनवाई के दौरान जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस सकारात्मक पहल से आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर बढ़ रहा है। आमजन को राहत देने के लिए सभी थानों में भी प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है

इस जनसुनवाई में अधिकांश मामले आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, जमीन के डबल पट्टे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट, धमकी सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने

- सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए

और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर ने शिप्रापथ (जयपुर दक्षिण), कानोता (जयपुर पूर्व), करधनी (जयपुर पश्चिम), विद्याधर नगर (जयपुर उत्तर), शिवदासपुरा (जयपुर दक्षिण), बगरू (जयपुर पश्चिम), चौमू (जयपुर पश्चिम), प्रताप नगर (जयपुर पूर्व), जयसिंहपुरा खोर (जयपुर उत्तर) जवाहर सर्किल (जयपुर पूर्व), वैशाली नगर (जयपुर पश्चिम), मुहाना (जयपुर दक्षिण), आमेर (जयपुर उत्तर) महेश नगर (जयपुर दक्षिण), जामडोली (जयपुर पूर्व) एवं झोटवाडा (जयपुर पश्चिम) थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

अन्तर्राज्यीय गुजराती गैंग का सरगना गिरफ्तार

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपने ही परिवार की महिलाओं से चोरी की वारदात करवाने वाला अन्तर्राज्यीय गुजराती गैंग के सरगना सहित चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित ने महिलाओं के जरिए जयपुर में अब तक 150 से अधिक सोने-चांदी के गहने लूटने की वारदात करवा चुका है। पुलिस टीम पिछले छह माह से लगातार इस गैंग की निगरानी कर रही थी। पुलिस की कड़ी मेहनत के बाद आरोपित को खोह नागोरियान इलाके से पकडा है। इस गिरोह की महिलाओं ने बसों और ऑटो रिक्शा सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सोने एवं चांदी के जेवरात चुराने के बाद आरोपित ज्वेलरी को लेकर

- अपने ही परिवार के लोगों से करवाता था चोरी की वारदात
- चोरी का माल खरीदने वाला ज्वैलर्स भी चढा पुलिस के हत्थे

फरार हो जाता था। इस गिरोह ने जयपुर शहर में अलग अलग इलाकों में अस्थाई ठिकाने बना रखे हैं। जो वारदात को अंजाम देने के बाद ठिकाना बदल लेते हैं और फिर नई वारदातों को अंजाम देते है। इस गैंग में शामिल चार महिलाओं को पूर्व में गिरफ्तार ही किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में आरोपित से और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपने ही परिवार की महिलाओं से चोरी की वारदात करवाने वाले अन्तर्राज्यीय गुजराती गैंग के सरगना कांगिया अर्जुन विनोद भाई (28) निवासी बेरोतनाथ जिला भावनगर (गुजरात) हाल कानोता जयपुर सहित चोरी का माल खरीदने वाले ज्वैलर्स महावीर प्रसाद सोनी (44) निवासी सामोद जयपुर ग्रामीण हाल विधाधर नगर हाल दुकान आरती ज्वैलर्स विधाधर नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित अपने परिवार की महिलाओं खुद की पत्नी, बहन, ई-रिक्शा व भीड़ वाले स्थानों पर अकेली सवारियों विशेषकर महिलाओं एवं बुजुर्गों को बातों में लगाकर चोरी करने को कहता था।

चेन स्नेचिंग की वारदात करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर,जवाहर नगर थाना पुलिस ने जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व की मदद से चेन स्नेचिंग की वारदात करने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के पास से लूटी गई सोने की दो चेन,एक बाइक, एक देशी कट्टा बरामद किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में लगातार चेन टूटने की वारदातों को देखते हुए पुलिस टीम का गठन किया गया। जहां डीएसटी पूर्व टीम ने बजाज नगर और जवाहर नगर थाना पुलिस की मदद से चेन स्नेचिंग की वारदात करने वाले अनिल, धोलिया उर्फ अक्षय,मुकेश और सूरज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से सोने की दो चेन,एक बाइक, एक देशी कट्टा बरामद किया है।

विमान दुर्घटना पीड़ितों के प्रति संवेदना

जयपुर। सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवांसेज (एसपीजी), भारत/अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत एवं सचिव डॉ. गोविंद रावत अहमदाबाद में कल हुई दुखद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

एसपीजी इंडिया/कार्यकारी समिति के सदस्य कृष्ण अवतार गुप्ता ने बताया कि मुख्य अतिथि नटवर लाल सारडा कान्हा समूह और तनसुख थे और विशिष्ट अतिथि मंजू शर्मा थीं। सह-अध्यक्ष और एमडी- ईएचसीसी अस्पताल, डॉ. प्राचीश प्रकाश सीईओ, ईएचसीसी अस्पताल, डॉ. आलोक माथुर निदेशक - प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, ईएचसीसी अस्पताल, नितेश तिवारी वरिष्ठ जीएम - समूह विकास, विकास और ब्रांडिंग, ईएचसीसी अस्पताल आशीष खुंटेटा उप जीएम - समूह विकास और ब्रांडिंग, ईएचसीसी अस्पताल के विशेष उपाध्यक्ष कैलाश चंद एवं मुकेश जी ने इसअपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

योग दिवस को लेकर पतंजलि का जनसंपर्क अभियान तेज

जयपुर। परम पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के दिशानिर्देशन तथा हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग, हरियाणा के तत्वाधान में आयोजित 11वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर पतंजलि योगपीठ के जन-सम्पर्क कार्यों ने गति पकड़ ली है। कुरुक्षेत्र के लोगों में उत्साह है कि स्वयं योगऋषि स्वामी रामदेव जी तथा प्रदेश के मुखिया नायब सिंह सैनी उन्हें योगासन व प्राणायाम सिखाने आ रहे हैं। उक्त उद्गार पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार भारत ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत ही भव्य एवं ऐतिहासिक होने जा रहा है, जिसमें देश के सभी राज्यों से सभी साधक योग का अभ्यास कर स्वास्थ्य लाभ लेंगे।

उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में भी कार्यकर्ताओं के जोश में कमी नहीं आ रही तथा वे गाँव-गाँव, घर-घर जाकर लोगों में योग के प्रति

- भव्य एवं ऐतिहासिक होने जा रहा है योग दिवस कार्यक्रम : राकेश भारत
- भीषण गर्मी में भी पतंजलि के कार्यकर्ताओं में भारी जोश

स्वीकार्यता बढ़ा रहे हैं। कार्यकर्ता लोगों को 21 जून को ब्रह्मसरोवर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हेतु आमंत्रित कर रहे हैं। इस संदर्भ में इस्माईलाबाद के अग्रवाल धर्मशाला व इस्माईलाबाद के गांव खेड़ी शहीदां के ग्रामीण मंदिर में भाई राकेश भारत ने प्रात:काल योग कक्षा का संचालन भी किया।

कार्यकर्ता बैठक में राकेश ने कहा कि हमें तहसील पिहोवा के 40 पॉइंट पर प्रचार कार्य आगामी 2 दिनों में पूरा करना है। इसका संज्ञान लेते हुए पिहोवा के गांव सरसा में स्वामी कौशल देव जी, पतंजलि युवा भारत पंजाब के राज्य प्रभारी सतगुरु जी, सुभाष सारसा जी ने योगाभ्यास कराया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ब्रह्म सरोवर कुरुक्षेत्र की तैयारी हेतु आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय के गृह क्षेत्र लाडवा की तैयारियां सबसे ज्यादा जोरों पर हैं। जिला सिरसा हरियाणा के प्रभारी जय प्रकाश जी एवं सोशल मीडिया सह-प्रभारी मुख्य योग शिक्षक हेमराज सपरा ने तहसील लाडवा के गांव खरकाली में योग कक्षा का संचालन कर स्थानीय निवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कुरुक्षेत्र हरियाणा में पहुंचने के लिए प्रेरित किया। लाडवा आर्य समाज मंदिर में पतंजलि योग समिति लाडवा के तत्वाधान में योग शिक्षक ओमप्रकाश मल्होत्रा व सुनील गर्ग द्वारा द्वारा योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया।

तीन चोर गिरफ्तार

जयपुर। अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के तीन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के दो मोबाइल भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि घर मे घुस कर मोबाइल चुराने वाले गिरोह का अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित विजय कनोजिया निवासी महेश नगर,निक्की उर्फ निक्कू निवासी हसनपुरा जयपुर और ताराचंद निवासी हसनपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

गोविंद देवजी मंदिर में हवन आज

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह आठ से ग्यारह बजे तक पर्यावरण संवर्धन गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। स्वच्छ पर्यावरण, हरित जीवन और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के आयोजित यज्ञ को गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के विद्वानों की टोली संपन्न कराएंगी।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि स्वच्छ पर्यावरण-सुरभित जीवन के ध्यये वाक्य के साथ आयोजित यज्ञ में सभी को नि:शुल्क आहुतियां अर्पित करने का अवसर मिलेगा। यज्ञ के लिए किसी भी सामग्री को लाने की आवश्यकता नहीं है। यज्ञ में अहमदाबाद में विमान हादसे में मारे गए लोगों की आत्म शांति के लिए विशेष आहुतियां प्रदान की जाएंगी।

यज्ञ सुबह आठ से दस बजे तक ही होगा। इसके बाद दस से ग्यारह बजे तक पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद की ओर से मानसून के दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए पूर्व तैयारियों पर मंथन किया जाएगा। पर्यावरण के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखने वाले विशिष्टजनों के उद्बोधन भी होंगे।

पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पुरोधाओं को सम्मानित किया जाएगा।

यज्ञ के बाद सभी प्रतिभागियों को हरियाली के उपहार के रूप में औषधीय पौधों का वितरण किया जाएगा।

'मेडिटेशन समाज के लिए बहुत जरूरी, यह किसी धर्म से जुड़ा नहीं है'

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की चालू वर्ष की थीम मेडिटेशन द्वारा विश्व एकता व विश्वास विकास परियोजना का आज नेशनल मीडिया लॉन्चिंग हुआ। संस्था की स्थानीय सीरीफोर्ट इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित राजयोग शिक्षा केंद्र पर श्रमजीवी पत्रकार व मीडिया कर्मियों केलिए आध्यात्मिकता से मन की शांति, भ्रम से स्पष्टता विषय पर आयोजित एक अनुभवात्मक कार्यशाला के साथ ही इस परियोजना का मीडिया शुभारंभ हुआ।

इस शुभ अवसर पर अपनी आशीर्वचन देते हुए दिल्ली, यूपी, रूस व बाल्टिक देशों में स्थित ब्रह्मा कुमारी संस्था की अनेक राजयोग ध्यान केंद्रों के संचालिका राजयोगिनी बी के चक्रधारी दीदी ने कहा कि मीडिया कर्मी समाज को जागृत करता है, प्रत्येक घटना से लोगों को अवगत कराता है, सत्यता का खोज और उसे उजागर भी करता है। उन्होंने कहा कि यह समय सूचना व समाचार प्रसारण का है, जिसमें समाचार की श्रृंखला बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हम सब आत्माये, परमात्मा की संतान है, आपस में भाई-

- विश्व एकता व विश्वास विकास परियोजना का राष्ट्रीय मीडिया लॉन्च

भाई हैं, जब मेडिटेशन के द्वारा परमात्मा के जुड़ते हैं तो परमात्मा की शक्तियां और गुण हमारे अंदर आ जाते हैं। क्यों कि, परमात्मा प्रेम, शांति, सुख, आनंद और पवित्रता का शाश्वत स्त्रोत व दाता है।

सीरीफोर्ट राजयोग केंद्र की संयोजिका बी के रमा ने सबको सामूहिक ध्यान का अभ्यास कराते हुए मन की शांति, स्थिरता व एकाग्रता का अनुभव कराया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने इस मीडिया सशक्तिकरण अभियान की सफलता हेतु शुभ कामनाएं देते हुए कहा कि मैं ब्रह्मा कुमारी संस्था से लगभग 25 साल से सम्पर्क में हूं। यह संस्था आत्मा परमात्मा की अनुभूति हेतु मेडिटेशन कोर्स कराती हैं और जीवन के सभी प्रश्नों के उत्तर देती है, जिससे मैंने समाधान पाया और प्रसन्न हुआ।

उन्होंने कहा कि इस संस्था के जुड़े सभी सदस्यों के चेहरे पर आध्यात्मिक और रूहानी चमक होती है। उन्होंने कहा कि किसी दुर्घटना के बारे में समाचार देना तो आसान है, परंतु ब्रह्मा कुमारी संस्था उसमें जीवन का सत्य व रूहानी राहत की शक्ति जोड़ देती हैं। उन्होंने कहा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन और ब्रह्माकुमारी संस्था दोनों लगभग समान मानवीय मूल्यों पर काम करते हैं।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी ने भी अपनी शुभ कामनाओं में कहा कि मेडिटेशन किसी धर्म से जुड़ा नहीं है, यह हर व्यक्ति व व्यवसाय की प्रगति के लिए बहुत जरूरी है। ब्रह्मा कुमारी संस्था का आध्यात्मिक ज्ञान व सरल योग ध्यान पद्धित इस दिशा में प्रभावी है। उन्होंने कहा कि जनता व समाज की भलाई वाली सकारात्मक ख़बरों को प्राथमिकता व प्रमुखता देने की आवश्यकता है। प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने ब्रह्मा कुमारी संस्था द्वारा देश भर में की जा रही मीडिया सशक्तिकरण सेवाओं का सराहना करते हुए चलित वर्ष की अभियान की सफलता हेतु मंगल कामना की।

शिक्षाविद बनवारीलाल की एसएमएस अस्पताल में देहदान

जयपुर। ''शरीर दान महादान'' की भावना को साकार करते हुए वरिष्ठ शिक्षाविद एवं समाजसेवी बनवारीलाल शर्मा ने मृत्यु के उपरांत भी मानवता की सेवा का मार्ग चुना। जीवनभर समाज के लिए समर्पित रहे शर्मा ने अपने जीवनकाल में ही घोषणा कर दी थी कि उनका शरीर अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा के लिए दान किया जाएगा, ताकि वह मृत्यु के बाद भी मानव सेवा में योगदान दे सकें।

80 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के एनाटॉमी विभाग को दान किया गया है। यह निर्णय मेडिकल छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान में मदद करेगा और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में योगदान देगा।

बनवारीलाल शर्मा, पोदार इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, राजस्थान विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. अनुराग शर्मा के पिता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षण, सामाजिक चेतना और सेवा के मूल्यों को समर्पित किया।

उनकी अंतिम यात्रा 13 जून को प्रात: 8:00 बजे उनके कावेरी पथ स्थित निवास से प्रारंभ होकर एसएमएस अस्पताल तक पहुंची थी।

शर्मा का यह प्रेरणादायी कदम शरीर दान जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक विषय पर जन-जागरुकता बढ़ाने का कार्य करेगा। वे न केवल अपने विचारों, बल्कि अपने कर्मों से भी आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श बन गए हैं। उनका यह योगदान चिकित्सा शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में सदैव स्मरणीय रहेगा।

777 वसीफ मोटा गैंग का सक्रिय बदमाश हथियार सहित गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत शास्त्री नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए सक्रिय 777 वसीफ मोटा गैंग के सक्रिय बदमाश को हथियार सहित गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने आरोपित के पास से एक देसी पिस्टल भी जब्त की

पुलिस ने आरोपित के पास से एक देसी पिस्टल भी जब्त की है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ लडाई-झगडा,आर्म्स एक्ट और वसूली के दस से अधिक मामले दर्ज है। आरोपित अपने ग्रुप के सदस्यों के साथ बाजार से अवैध वसूली के लिए भय दिखाने के लिए अवैध हथियार रखता है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत शास्त्री नगर थाना इलाके में

जयपुर कमिश्नरेट की टीम ने सक्रिय 777 वसीफ मोटा गैंग के सक्रिय बदमाश को हथियार सहित गिरफ्तार किया।

कार्रवाई करते हुए 777 वसीफ मोटा गैंग के सक्रिय बदमाश मोहम्मद सलमान उर्फ कबूतर (25) निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से अवैध हथियार देशी पिस्टल जब्त की है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित यह अवैध हथियार वसीम उर्फ मोटा निवासी शास्त्री नगर से खरीदना कबूला है। यह सक्रिय 777 वसीम अहमद उर्फ मोटा गैंग भट्टा बस्ती,शास्त्री नगर,संजय सर्किल, सदर, विधायक पुरी और नाहरगढ़ थाना इलाके में दहशत फैलाते है। आरोपित अवैध वसूली के लिए लडाई झगडे व एक-दुसरे के घर आगजनी व तोड़फोड़ करते हैं। पुलिस आरोपित से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

'खेल केवल व्यक्तिगत विकास ही नहीं, राष्ट्र निर्माण का भी सशक्त माध्यम है'

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि खेल केवल व्यक्तिगत विकास ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा, वुशू चैम्पियनशिप जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को प्रतिभा निखारने का सुनहरा

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने कहा, वुशू चैम्पियनशिप जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को प्रतिभा निखारने का दे रहीं सुनहरा अवसर

अवसर प्रदान कर रही हैं, जिससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में मदद मिल रही है। चैम्पियनशिप-2025 के शुभारंभ अवसर पर शेखावत ने कहा, वुशू केवल एक मार्शल आर्ट नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, शारीरिक क्षमता और मानसिक अनुशासन का अद्भुत संगम है, जो नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन रहा है।

उन्होंने कहा, भारत ने एशियाई

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने वुशू चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में युवाओं का उत्साह बढ़ाया।

खेलों और विश्व वुशू चैम्पियनशिप में पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। इस क्रम में शेखावत ने संदीप कुमार, यमुना रेड्डी और बिमला तमांग जैसे खिलाड़ियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये युवा आज पूरे देश के लिए आदर्श बन चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को लेकर आई जागरुकता का उल्लेख करते हुए कहा, 'खेलो इंडिया', 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसी योजनाओं ने देश में खेल संस्कृति को नई ऊंचाई दी है। शेखावत ने कहा, वुशू महिलाओं के लिए आत्मरक्षा का एक प्रभावशाली माध्यम बनकर उभरा है। यह न केवल उन्हें शारीरिक रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा, आज के समय में, जब आत्मरक्षा अनिवार्य हो गई है, वुशू उन्हें निडर बनने की प्रेरणा देता है और उनके आत्मसम्मान को नया आयाम प्रदान करता है।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तृतीय चरण की शुरूआत 16 जून से

जयपुर। प्रत्यक्ष आवंटन योजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण को मिली अप्रत्याशित सफलता के पश्चात् योजना के तृतीय चरण की शुरूआत दिनांक 16 को होगी। राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट-2024 के अंतर्गत 30 अप्रैल 2025 तक राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करने वाले उद्यमी एवं निवेशक दिनांक 16.06.2025 से 27.06.2025 तक ऑनलाइन ईएमडी जमा करवा सकेंगे। इस चरण के अंतर्गत ई-लॉटरी दिनांक 02.07.2025 को निकाली जायेगी।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तृतीय चरण में 97 औद्योगिक क्षेत्रों में 6806 भूखण्ड रखे गये हैं। योजना में विभिन्न श्रेणियों/वर्गों के लिए भी भूखण्ड आरक्षित किये गये हैं जिनमें से अनूसूचित जाति/जनजाति के लिये 237, महिला वर्ग के लिये 206, भूतपूर्व सैनिकों के लिये 117, बेंचमार्क दिव्यांगता के लिये 147 तथा सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित के लिये 62 भूखण्ड हैं। 6037 भूखण्ड अनारक्षित हैं।

मार्च-2025 में प्रारंभ हुई इस योजना के प्रथम चरण में निवेशकों को

- प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तृतीय चरण में 97 औद्योगिक क्षेत्रों में 6806 भूखण्ड रखे गये है

विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में 6000 से अधिक भूखण्डों में से अपनी रूचि एवं आवश्यकता के आधार पर आरक्षित दर पर सही भूखण्ड चयन करने का अवसर दिया गया था। प्रथम चरण में 87 भूखण्डों का आवंटन कर दिया गया है। योजना का द्वितीय चरण मई माह में प्रारंभ हुआ जिसमें लगभग 7100 भूखण्ड रखे गये। ई-लॉटरी दिनांक 05.06.2025 को आयोजित हुई। इस चरण में 464 निवेशकों ने 329 भूखण्डों पर ऑनलाइन आवेदन किया। करीब 321 भूखण्डों के ऑफर लेटर देने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इन 321 भूखण्डों के माध्यम से राज्य में करीब 1800 करोड़ रूपये का निवेश होगा। इन भूखण्डों की कीमत लगभग 648 करोड़ है।

प्रमुख शासन सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं रीको अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार इसी वर्ष 11-12 दिसंबर-2025 में राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव के अंतर्गत हुए एमओयू के धरातल पर उतरने के परिणामों को समीक्षा करके जनता के समक्ष लाने जा रही है। इस हेतु हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक एमओयू कम समय में औद्योगिक इकाई में परिवर्तित हों और निवेशक को जो भी समस्या आ रही है उसका तत्काल समाधान हो। औद्योगिक इकाई लगाने के लिये भूखण्ड प्राप्त करने में उद्यमी को सुविधा हो, रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना इसी उद्देश्य से लाई गई है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में निवेशकों का रूझान देखने के पश्चात् तृतीय चरण प्रारंभ किया गया है।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना के प्रथम एवं द्वितीय चरण में निवेशकों ने बड़ी संख्या में आवेदन किये। जो निवेशक योजना का लाभ उठाने से वंचित रह गये हैं, तृतीय चरण में उन्हें भूखण्ड प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा, यदि उन्होंने राज्य सरकार के साथ 30.04.2025 तक एमओयू निष्पादित किया हो। भूखण्ड प्राप्त करने के पश्चात् निवेशक जल्द से जल्द अपनी औद्योगिक इकाई लगायें, इसके लिये राज्य सरकार और विभाग उद्यिमयों की हर संभव सहायता और मार्गदर्शन करेंगे। एमओयू को धरातल पर लाने का भरसक प्रयास राज्य सरकार और विभागीय स्तर पर किया जा रहा है एवं इनकी लगातार मॉनिटरिंग हो रही है।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन करने वाले निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस कंपनी अथवा व्यक्ति के द्वारा एमओयू किया गया है, भूखण्ड उसी कंपनी/व्यक्ति को आवंटित किया जा सकेगा। अत: निवेशकों को यह सलाह दी जाती है कि ऑनलाईन पोर्टल पर आवेदन का रजिस्ट्रेशन करते समय इस बिंदु का विशेष ध्यान रखें। प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के संबंध में अधिक जानकारी, नियम एवं शर्तों इत्यादि के लिये रीको के पॉर्टल को देखें।

कोरियर से भेजा गया सामान खो देना सेवा दोष, कंपनी पर लगाया हर्जाना

राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ ने निजी हॉस्पिटल द्वारा डीटीडीसी कोरियर कंपनी के माध्यम से भेजे गए सामान को निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचाने पर सेवा दोष माना है।

जोधपुर, (कासं) । राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ ने एक निजी हॉस्पिटल द्वारा डीटीडीसी कोरियर कंपनी के माध्यम से भेजे गए सामान को निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचाने पर सेवा दोष माना है।साथ ही कोरियर कंपनी को सामान की कीमत, हर्जाना देने के आदेश दिए है।

यश हॉस्पिटल के प्रोपराइटर रेनू गहलोत ने जिला आयोग जोधपुर प्रथम में विपक्षी डीटीडीसी कोरियर कंपनी जोधपुर के माध्यम से पोर्टेबल मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर भिजवाया था। परिवादी ने सिलेंडर खराब होने पर उसके उत्पादक को वापस लौटाया था। कोरियर कंपनी ने पार्सल गंतव्य स्थान पर नहीं पहुंचाया तथा कंपनी के प्रतिनिधि ने परिवादी को बताया कि उनके पार्सल को नई दिल्ली एयरपोर्ट पर खतरनाक विस्फोटक वस्तु, अपराधिक बम होने के शक में रोक कर अपनी कस्टडी में ले लिया है। परिवादी ने कई बार कोरियर कंपनी में संपर्क किया लेकिन बुक किया गया सिलेंडर नहीं लौटाया। विपक्षी कोरियर कंपनी डीटीडी सी की ओर से बताया गया कि परिवादी ने मेडिकल उपकरण बात कर बुकिंग करवाई थी। परिवादी की गलती के कारण 25 हजार रुपए की पेनल्टी एयरपोर्ट पर लगाई गई तथा कोरियर कंपनी पर सात दिवस तक सभी एयरलाइंस में सामान बुक करने की पाबंदी लगाई जिसके कारण विपक्षी को भारी नुकसान उठाना पड़ा। परिवादी ने सामान बुक करवाने करवाते समय क्या वस्तु भेजी जा रही है इसके बारे में जानकारी नहीं दी। जिला आयोग ने विपक्षी के कथन को उचित मानते हुए परिवादी का परिवाद अस्वीकार कर दिया। जिला आयोग के निर्णय के विरुद्ध परिवादी ने राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ के समक्ष अपील प्रस्तुत की।

- कोरियर कंपनी जोधपुर के माध्यम से पोर्टेबल मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर भिजवाया था

आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा, सदस्य मुकेश सिंह व सदस्य लियाकत अली ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर अपने निर्णय में कहा कि कोरियर कंपनी का कथन है कि एयरपोर्ट पर अथॉरिटी द्वारा विस्फोटक सामान की आशंका में सिलेंडर जब्त किया गया था, तथा 25 हजार रुपए की पेनल्टी भी कंपनी पर लगाई गई एवं कंपनी की सेवाएं भी सात दिन तक रोक दी गई। आयोग द्वारा अपने निर्णय में कहा कि जहां तक प्रश्न पार्सल के अंदर क्या है यह नहीं लिखे जाने के तर्क का हैं, सामान्यत: कोरियर कंपनियों के माध्यम से भेजे जाने वाले पार्सल पर ऐसी बात नहीं लिखी जाती है।

एयरपोर्ट प्राधिकरण के पास सुरक्षा जांच के दौरान ऐसा उपकरण होता है जिससे वह जांच के दौरान पार्सल के बिना खोले पता लगा सकते हैं और शक होने पर पार्सल खोलकर उसकी भी जांच की जा सकती है लेकिन एयरपोर्ट प्राधिकरण ने ऐसा किया हो कोई दस्तावेज अभिलेख पर उपलब्ध नहीं है। कोरियर कंपनी डीटीडीसी कोरियर कंपनी द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग में जवाब देरी से दिया गया तथा 500 कॉस्ट पर जवाब रिकॉर्ड पर लेने के आदेश दिए गए लेकिन राशि जमा करवाई गई हो आदेशिका में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है। जिला आयोग जोधपुर प्रथम द्वारा ली गई सेवाओं को वाणिज्यिक गतिविधि माना जाना भी सही नहीं कहा जा सकता। कोरियर कंपनी द्वारा एयरपोर्ट अथॉरिटी में 25 हजार जमा करवाए गए हो ऐसी कोई रसीद भी प्रस्तुत नहीं की गई है।

आयोग द्वारा समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अपीलार्थी यश हॉस्पिटल की अपील को स्वीकार करते कोरियर कंपनी को सिलेंडर वापस लौटाने अथवा उसकी कीमत अदा करने एवं मानसिक क्षति के रूप में 25 हजार रुपए तथा परिवाद एवं अपील व्यय के रूप में पांच-पांच हजार रुपए देने के आदेश पारित किए गए। परिवादी की ओर की ओर से अधिवक्ता केके भाटी एवं विपक्षी की ओर से पवन प्रकाश उपस्थित हुए।

सुनी आंखों से नाबालिग बेटी का इंतज़ार कर रहे माता पिता

ब्यावर (निसं)। लोंकाशाह नगर निवासी राजेन्द्र अल्का जैन की नाबालिग पुत्री जो की 2 जून से ही घर से बगैर बताये निकली थी। काफी देर इंतज़ार के बाद भी वो वापस घर नहीं आयी और न ही फोन द्वारा भी कोई जानकारी मिल सकी । अनमोल के घरवालों ने अपने आसपास अडोसी पड़ोसी के अलावा रिश्तेदारों के यहां भी उसके बारे में पता लगाया लेकिन उसके बारे में सभी ने अनभिग्यता ज़ाहिर कर दी। आखिर हार मानकर अपनी नाबालिग बेटी की गुमशुदगी रिपोर्ट 248/2025 अन्तर्गत धारा 137828 भारतीय न्याय संहिता के तहत साकेत नगर थाने में दर्ज़ करवा दी। गौरतलब

- 12 दिनों से रोती बिलखती आँखों के आँसू भी सूख गए

है की सात दिन तक भी पुलिस द्वारा अपनी बेटी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलने पर माता और पिता ने रोटी हुई आँखों से जिला कलेक्टर महेंद्र खड़गावत के निवास स्थान जाकर भी गुहार लगाई लेकिन 12 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन अनमोल तो ढूंढने में नाकामयाब रहा। शुक्रवार को श्री ओसवाल जैन संघ संस्थान के पदाधिकारिओं, सदस्यों और अनमोल के परिजनों ने एक ज्ञापन जिला कलेक्टर खडगावत को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी के नाम सौपकर अपनी मांग को और गम्भीरतापूर्वक दोहराया है। उन्होंने साफ़ तौर पर कहा है की इस गंभीर मामले में अभी तक पुलिस और प्रशासन का रवैया संतोषजनक नज़र नहीं आ रहा है। उन्होंने अपना भारी रोष प्रकट करते हुए उक्त एफआईआर 248/2025 में तुरन्त कार्यवाही कर उनकी पुत्री अनमोल को बरामद कर सुपुर्द करवाने की मांग रखी है। इसके साथ ही इस मामले में उसे बहलाने फुसलाने व भगाने वाले में और उसके सहयोगियों के विरूद्ध नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर कठोर कानूनी कार्यवाही कराने के निर्देश दिए जाए ।

वन राज्य मंत्री ने जल संरक्षण कार्यों का भूमि पूजन किया

नादौती करौली । प्रदेश के वन, पर्यावरण,जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत राजस्थान जल आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मंत्री नादौती तहसील के जैतकीपुरा में 10 फार्म पॉण्ड सहित अन्य जल संरक्षण कार्यों के भूमि पूजन किया।

राज्य मंत्री नादौती तहसील के जैतकीपुरा में शनिवार को 10 फार्म पॉण्ड सहित अन्य जल संरक्षण कार्यों के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। वन राज्य मंत्री ने कहा कि 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान चलाया जा रहा है। जनप्रतिनिधि एवं आमजन इसमें अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर अभियान को जिले में सफल बनाएँ। उन्होंने कहा कि जिले में स्थित पोखर, तालाब, कुएं, बावडियां, बांध और कुंड जैसे सभी पारंपरिक जल स्त्रोतों की श्रमदान के माध्यम से सफाई की जाए और वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण किया जाए । मंत्री ने कहा कि वर्षा जल का संचयन भू-जल स्तर को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा,जिससे वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से राहत मिल सकेगी। उन्होंने जल संरक्षण को सतत विकास और भावी पीढ़ियों के हित में अत्यंत आवश्यक बताया। इसके साथ ही उन्होंने जिलेवासियों से आठाह किया कि आगामी वर्षा ऋतु में हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान के अंतर्गत एक पेड़ अपनी माँ के नाम अवश्य लगाएं और उसका संरक्षण भी करें,जिससे पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके और अगली पीढ़ी में भी प्रकृति के प्रति जुड़ाव कायम रखा जा सके। इस दौरान ठाामवासियों ने अधूरी सड़क के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करवाने की मांग की तो राज्यमंत्री ने नियमानुसार सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करवाने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व राज्यमंत्री ने गुढाचन्द्रजी स्थित वन विभाग की नर्सरी में पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं उसका निरीक्षण भी किया।कार्यक्रम के दौरान सपोटरा विधायक हंसराज मीणा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, चिकित्सा, सानिवि, पीएचईडी, जल संरक्षण व पर्यावरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रही है इस अवसर पर विधायकों ने जिले में हो रहे जल व पर्यावरण संरक्षण के कार्यों के लिए राज्य सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि विधायकों एवं आमजन के द्वारा विकास कार्यों की गई मांग का परीक्षण कर पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान राज्य सरकार की एक अभूतपूर्व पहल है जो जन आंदोलन की ओर बढ़ रहा है जनप्रतिनिधि,अधिकारी,कर्मचारी पर्यावरण प्रेमी व आमजन आपसी समन्वय के साथ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर अभियान को जिले में सफल बनाने की ओर अठासर हैं। इस दौरान जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना, अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवचरण मीना, उप वन संरक्षक सुमित बंसल,पीयूष शर्मा,हिंडौन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी लाखनसिंह,सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय के सहायक निदेशक धर्मेन्द्र मीना,पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ गंगासहाय मीणा, कृषि विभाग के उपनिदेशक वीडी शर्मा, नादौती की उपखण्ड अधिकारी पूजा मीना, विकास अधिकारी ऋषिराज मीना सहित अन्य जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसों में पांच की मौत, 4 जने घायल

अलवर (निसं)। अलवर के सदर थाना क्षेत्र के कारौली बाग के पास शुक्रवार रात 9 बजे कार ने सडक किनारे खड़े बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में कार ड्राइवर सहित 3 जनों की मौत हो गई। वहीं कार में सवार 4 लोग घायल हो गए।

सदर थाने के एएसआइबंशीलाल ने बताया- रात करीब पौने 9 बजे एक तेज रफ्तार कार ने सडक़ किनारे खड़े बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिसमें प्रवीण कुमार 32 पुत्र भोलाराम निवासी मुडियोखेड़ा अलवर, विजय कुमार 33 पुत्र राकेश कुमार निवासी मूडियाखेड़ा अलवर की मौत हो गई। दोनों मिस्त्री व वेल्डिंग का काम करते थे। तीसरा युवक संजय कुमार गंभीर घायल है। जिसका इलाज जयपुर में जारी है। प्रवीण ने अलवर के सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं विजय का दौसा के पास दम टूट गया। कार के ड्राइवर फेजान निवासी मूंगस्का की भी मौत हो गई। इसके अलावा कार में तीन महिलाएं थी। जो गंभीर हालत में भर्ती हैं।

असल में दो जने बाइक पर थे। जो रोड किनारे खड़े होकर एक तीसरे व्यक्ति से बात कर रहे थे। पीछे से चिकानी से अलवर की तरफ आ रही

चंदवाजी थाना क्षेत्र में हादसे के बाद कार बूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

कार ने तेज रफ्तार में टक्कर दी है। उसके बाद कार भी पलट गई। कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षितठास्त हो गया। वहीं रोड किनारे खड़े लोग दूर जाकर गिरे।

अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सडक़ हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। यह हादसा माचाड़ी बाईपास के पास हुआ जब दोनों बाइक पर सवार होकर पारिवारिक शोक समारोह से लौट रहे थे। हादसे में मृतकों की पहचान बंसी (40) और उसके चचेरे भाई नेतराम (38) के रूप में हुई है।

दोनों निवासी पास के ही गांव के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर राजगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर राजगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में भी मातम पसरा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मरीजों की जांच व परामर्श दिया

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति भीलवाड़ा द्वारा एपिक हॉस्पिटल अहमदाबाद के सहयोग से शनिवार को महेश छात्रावास में नि:शुल्क ह्दय रोग परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रख्यात कॉर्डियोवास्कुलर सर्जन डॉ. अनिल जैन एवं उनकी टीम ने ह्दय रोग के लक्षण वाले रोगियों एवं पीड़ितों की जांच करने के साथ परामर्श दिया। शिविर शुरू होते ही रोगियों की भीड़ उमड़ी जो समापन समय तक बनी रही। गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के अध्यक्ष उदयलाल समदानी के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथियों में उद्योगपति रामपाल सोनी, विधायक अशोक कोठारी, महापौर राकेश पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा, माहेश्वरी सभा प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी,महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओम नराणीवाल,सचिव राजेंद्र कचोलिया,उद्योगपति श्रीगोपाल राठी, बनवारीलाल मुरारका, कैलाश कोठारी, हरिप्रसाद अठावाल, जुगलकिशोर बागडोदिया, राधेश्याम सोमानी, गजानंद बजाज, नवनीत सोमानी,फतहलाल जेथलिया, डॉ कैलाश काबरा, डॉ आरएस सोमानी, प्रदीप लाठी, कैलाश तोतला, दीपक लड्ढा आदि शामिल थे।

ज्योतिष भविष्य कथन में साधना जरूरी : ओझा

जयपुर । भगवान परशुराम राष्ट्रीय पंडित परिषद ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश गौड़ ने बताया कि जयपुर के राजा पार्क स्थित माँ वैष्णो देवी मंदिर के वार्षिकोत्सव पर वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा आयोजित पाटोत्सव सप्ताह कार्यक्रम में भगवान परशुराम राष्ट्रीय पंडित परिषद ट्रस्ट के विद्वानों द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आशीर्वाद प्रदाता के रूप में काले हनुमान जी मंदिर के महंत गोपाल दास महाराज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज ओझा अतिरिक्त आयुक्त औषधि नियंत्रक एवं खाद्य सुरक्षा विभाग ने की। इस मौके ओझा ने कहा कि ज्योतिषीयों को चाहिए कि सफल व सटीक भविष्य कथन के लिए साधना करना जरूरी है। तब ही सटीक भविष्य वाणी की जा सकती है। ऐसे में ज्योतिषीयों के प्रति आम जन का विश्वास बढ़ेगा । मुख्य अतिथि हैरिटेज नगर निगम वार्ड 94 के पार्षद घनश्याम चंदलानी उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. नरोत्तम पुजारी,पंडित बजरंग लाल शर्मा, कार्षणी डॉ.भरत महाराज ने अतिथियों का सम्मान किया गया।ट्रस्ट के राष्ट्रीय महा सचिव व कार्यक्रम के संयोजक आचार्य पंडित ओपी शास्त्री ने बताया कि 14 जून को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक वैदिक ज्योतिष,टैरो कार्ड,अंक शास्त्र, हस्तरेखा,रमल शास्त्र, वास्तु शास्त्र, लाल किताब जैसी विभिन्न विधाओं के प्रख्यात विद्वानों-विदुषियों द्वारा अपने-अपने ज्योतिषीय ज्ञान व अनुभव के माध्यम से जनसाधारण की समस्याओं का नि:शुल्क सटीक फलादेश कर सरल ज्योतिषीय

- नि:शुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में 50 विद्वानों ने पढ़ा 500 जातकों का भाग्य

उपाय बताये गए।संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य पंडित ताराचंद शास्त्री,राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य सुरेश शर्मा,राजस्थान प्रदेश प्रभारी पंडित हरिप्रसाद गौड, ने विद्वानों को संस्था का दुपट्टा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर पुजारी रमेश चंद्र शर्मा,पुजारी मदन मोहन शर्मा,।पंचांग कर्ता पंडित प्रवीण शास्त्री भीनमाल, विदूषी सुधा शर्मा जयपुर, टैरो रीडर दीक्षा सोनी जयपुर, टैरो रीडर प्रियंका सोनी जयपुर, वास्तु विशेषज्ञ कुंज बिहारी महाराज,भृगु संहिता,रमलाचार्य दिनेश शर्मा नागौर,रमल ज्योतिषी नरेंद्र संतानी जयपुर, हस्त रेखा विशेषज्ञ डॉ.विष्णु दत्त शर्मा अजमेर,हस्त रेखा ज्योतिषी कृष्ण कुमार शर्मा गाजियाबाद,वास्तु विशेषज्ञ पंडित देवकीनंदन उनियारा, हस्त रेखा ज्योतिषी डॉ.विष्णु लाल शर्मा जयपुर, हस्त रेखा विशेषज्ञ पंडित मोहनलाल शर्मा,ललिता शर्माज्योतिषी डॉ.नन्द किशोर पुरोहित बीकानेर सहित विद्वानों व विदुषियों ने जातकों का भविष्य पढ़ा व सरल ज्योतिषीय उपाय बताए।वैष्णो देवी सेवा समिति के अध्यक्ष राज भाटिया, उपाध्यक्ष कमलेश आसुदानी, सचिव राज कुमार भाटिया सहित समिति सदस्यों ने विद्वानों को सम्मानित कर संस्था द्वारा नि:शुल्क सेवा देने पर आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि दी गई।

मौसम ने अचानक ली करवट

पुष्कर । पुष्कर में शनिवार की शाम को अचानक ही मौसम ने करवट बदलते हुए तेज आंधी और तूफान के साथ हुई बरसात के चलते लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है तो वही पूरा आकाश बादलों से ढक रखा हे और तेज बरसात होने से लोगों को काफी गर्मी से काफी राहत मिली है करीबन तीन-चार दिनों से भीषण गर्मी के चलते लोगों का गर्मी से हाल-बेहाल हो गया था लेकिन शनिवार को अचानक ही शाम को मौसम ने करवट बदलते हुए तेज आंधी तूफान के चलते बरसात होने से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है।वही निचली बस्तियों में पानी भर जाने से एक बार फिर लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही एक वर्ष पूर्व 11 करोड रुपए के लागत से बने बरसाती नाले फेल हो गए आधे घंटे तक हुई तेज बरसात के चलते परिक्रमा मार्ग पानी से भर गया।

पाली के जाडन टोल पर ड्राइवरों का हंगामा

पाली के जाडन टोल पर ओवरलोड होने का टोल लिए जाने पर ट्रक ड्राइवर ने हंगामा खड़ा कर दिया।

पाली, (नि.सं.)। पाली के जाडन टोल पर शनिवार दोपहर को ओवरलोड होने का टोल लिए जाने पर एक ड्राइवर ने नाराजगी जताते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। देखते ही देखने अन्य कई वाहनों के ड्राइवर उसके पक्ष में आ गए और वाहन खड़े कर रास्ता जाम कर दिया। जिससे वाहनों की कतार लग गई। मौके पर सदर थाना पुलिस पहुंची और मामला शांत करवाया। पाली शहर के पाली-ब्यावर हाइवे पर जाडन के निकट स्थित टोल नाके पर शनिवार दोपहर को एक ट्रक पहुंचा। ट्रक ओवरलोड होने की बात कहते हुए टोल कर्मी ने ओवरलोड का टोल काट लिया, लेकिन इससे ड्राइवर गुस्सा हो गया और बोला कि उसकी गाड़ी ओवरलोड नहीं है और रास्ते पर ही गाड़ी खड़ी कर हंगामा करने लगा। यह देख कई दूसरे वाहनों के ड्राइवर भी रुक गए। और उसका पक्ष लेने लगे। देखते ही देखते जाम जैसी स्थिति हो गई। स्थिति को कंट्रोल करने के लिए टोलकर्मियों ने सदर थाना पुलिस को सूचना दी। बाद में गाड़ी का वजन करवाया गया। ओवरलोड नहीं होने पर शेष रुपए ड्राइवर को वापस दे दिए लेकिन उसके बाद भी हंगामा जारी रखा और मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। मौके पर सदर थाने के भंवरलाल वाडिया मयजप्ता पहुंचे और स्थिति को कंट्रोल किया। इस दौरान हंगामा करने वाले कई वाहन चालक चले गए। पुलिस ने हाइवे पर खड़े वाहनों को हटाया और यातायात सुचारू किया। घटना को लेकर फिलहाल किसी ने रिपोर्ट नहीं दी है।

हादसे में महिला की मौत, एक दर्जन घायल

श्रद्धालुओं की गाड़ी खाटू श्याम जी जा रही थी

मानपुरा माचैड़ी (निसं)। दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर चंदवाजी थाना इलाके में मानपुरा माचैडी टोडी बावड़ी बालाजी मंदिर के पास पूलिया पर शनिवार अल सुबह खाटू श्याम जी जा रहे श्रद्धालुओं के केंटर को पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे श्रद्धालुओं के केंटर के पास खड़ी एक महिला की मौत हो गई व एक दर्जन लोग घायल हो गए। हाइवे पर चीख पुकार मच गई।घटना के बाद लोगो ने हाइवे को जाम कर दिया।मृतका के साथ के लोगो ने शव को नही उठाने दिया और सड़क पर बैठ गए। मौके पर पुलिस भी पहुँची लेकिन असहाय खड़ी रही। मृतक महिला की बेटी जयश्री ने व साथ वालों ने हाइवे पेट्रोलिंग की चेतक के पुलिस कर्मियों पर आरोप लगाया कि यह श्रदालुओ से अवैध रूप से वसूली कर रहे थे। महिला के परिवार ने आरोप लगाया कि हाईवे पर पुलिस वाले वसूली कर रहे थे। इसी के लिए ट्रक को रोका था। इतने में हादसा हो गया।बाद में मौके पर पहुंचे पुलिस के आला

घटना के बाद लोगों ने हाइवे पर जाम लगा दिया।

अधिकारियों व आस पास के लोगो ने समझाइस कर लोगों को मनाया और करीब 2 घंटे बाद यातायात सुचारू हो पाया । तब तक करीब 10 किलोमीटर तक लम्बा जाम लग गया था । हाइवे पेट्रोलिंग के पांच पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया ।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश के आगरा जिले के सया गांव से करीब दो दर्जन लोग एक ट्रक में सवार हो कर खाटू श्याम जी के दर्शन करने के लिए आ रहे थे। शनिवार अल सुबह 5 बजे दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचेड़ी पुलिया के ऊपर पुलिस पेट्रोलिंग की चेतक गाड़ी खड़ी थी, चेतक में सवार पुलिस कर्मियों ने

- दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाइवे पर मानपुरा माचेड़ी पुलिया पर हादसा हुआ

अचानक से श्रदालुओं के गाड़ी को रुकवाया।तो कुछ लोग नीचे उतर कर आए और पुलिस से रोकने की वजह पूछी।गाड़ी में सवार श्रदालुओ व प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पुलिस वालों ने गाडी छोड़ने की एवज में 5 हाजर रुपए की मांग की। बाद में 5 हजार होते हुए पांच सौ रुपए तक आ गए।इतने में ही पीछे से आरहे एक अन्य केंटर ट्रक ने श्रदालुओं की गाड़ी के टक्कर मार दी। हादसे में एक 75 वर्षीय महिला प्रेममती की मौके पर ही मौत हो गई व एक दर्जन लोग घायल हो गए।

श्रदालु जयश्री कुमारी कुशवाह ने बताया कि हमारी गाड़ी (ट्रक) को पुलिसवालों ने रोका था। मेरे भाई से रुपए की डिमांड की। इसी दौरान मेरी मां (प्रेममति) भी ट्रक से नीचे उतरी। इतने में पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि ट्रक ओवरलोड है। इसलिए दश बीस हजार रुपए लगेंगे। हकीकत यह थी कि हमारे ट्रक में केवल हमारे परिवार के 20 लोग बैठे थे। पुलिसकर्मियों की उगाही के कारण हमारी मां हमारे बीच में नहीं हैं। वहीं मेरे चाचा के भी गंभीर चोट लगी है । खाटूश्याम के दर्शन के लिए जा रहा था परिवार- मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी नारायण लाल शर्मा ने बताया- महिला का परिवार खाटूश्याम जी दर्शन के लिए ट्रक से जा रहा था। हाईवे पर पेट्रोलिंग करने वाली चंदवाजी थाने की चेतक-2 की टीम ने ट्रक को रोक लिया था। इस दौरान प्रेममति कुशवाह (75) सहित परिवार के लोग ट्रक से नीचे उतरकर पास में ही खड़े थे। इतने में पीछे से आए ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रेममति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में चेतक में तैनात कॉन्स्टेबल प्रभुनारायण भी घायल हो गए।

आरएएस मुख्य परीक्षा 2024 के एडमिट कार्ड जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं (आरएएस मुख्य)परीक्षा 2024 का 17 व 18 जून को आयोजित होंगी। आयोग द्वारा परीक्षा के प्रवेश पत्र वेबसाइट पर जारी कर अपलोड कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड कर सकते हैं।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि शनिवार को परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए है। अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

17 व 18 जून को परीक्षा: मेहता ने बताया कि आरएएस मुख्य परीक्षा 2024 17 व 18 जून को आयोजित होंगी। अजमेर में 29 व जयपुर में 48 सेंटर पर परीक्षा होगी।

21 हजार 539 कैंडिडेट्स है। एडमिट कार्ड अपलोड कर दिए गए है। निर्धारित परीक्षा कार्यक्रमानुसार प्रात: 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए आवंटित परीक्षा जिले की जानकारी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त की जा सकती है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आरएएस प्री में 3 लाख 75 हजार 657 कैंडिडेट्स शामिल हुए, इसमें से 21 हजार 539 पास हुए। 10 प्रतिशत से ज्यादा सवालों का जवाब नहीं देने के कारण 1680 कैंडिडेट्स अयोग्य घोषित किए गए। 2 का परिणाम कोर्ट में याचिका के कारण रोका। आरएएस भर्ती 733 पदों पर निकाली गई थी। 17 फरवरी को पदों की संख्या बढ़ाकर 1096 कर दी गई, इसमें राज्य सेवा के 428 और अधीनस्थ सेवा के 668 पद हैं।

खेल जगत

मैं इरादे का पक्का हूं। तीसरे दिन मांसपेशियों में खिंचाव आने के बाद भी मैंने बैटिंग की और टीम की जीत की नींव रखी। मैंने ने 66 रनों की पारी खेली।

– टेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान, ऐतिहासिक जीत के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरच चोपड़ा 20 जून को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में खेलने उतरेंगे। नीरज आठ साल बाद इस टूर्नामेंट के पेरिस चरण में हिस्सा लेंगे। नीरज लगातार दो टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे हैं और उनकी नजरें अब इस प्रतियोगिता में टॉप पर रहने की होगी। नीरज ने पिछले साल ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण इसमें हिस्सा नहीं लिया था। नीरज ने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। अफ्रीका ने 27 साल बाद आईसीसी खिताब जीता।

दक्षिण अफ्रीका ने सिर्फ एक टेस्ट नहीं इतिहास जीत लिया

दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल के अभिशाप को तोड़ विश्व टेस्ट चैम्पियन का ताज पहना

लंदन, 14 जून। दक्षिण अफ्रीका की 2025 की टीम ने शनिवार को क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लार्डस में एक शानदार अभियान का अंत किया और ऑस्ट्रेलिया पर पांच विकेट की रोमांचक जीत के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

इस जीत ने न केवल 27 वर्षों में अपना पहला सीनियर पुरुष आईसीसी खिताब पक्का किया, बल्कि एक पूरे क्रिकेट राष्ट्र के दशकों के दुख को भी भुला दिया। लॉर्ड्स के साफ आसमान के नीचे, आखिरकार प्रोटियाज पर सूरज की रोशनी चमकी। एक ऐसे देश के लिए जिसने 1999 में एलन डोनाल्ड के रन-आउट से लेकर पिछले साल भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप के दिल टूटने तक आईसीसी के कई दर्दनाक पतन देखे हैं, यह सिर्फ एक और फाइनल नहीं था। यह एक हिसाब था और सबसे बड़े मंच पर, उन्होंने कमाल कर दिया।

आखिरी बार दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की थी। तब से उम्मीदें क्रूर चक्रों में बढ़ती और गिरती रही हैं। किसी भी अन्य क्रिकेट टीम को इतने सारे नज़दीकी मुकाबलों के भावनात्मक बोझ को नहीं उठाना पड़ा है। लेकिन इस बार, यह अलग था। इस बार, शांत स्वभाव वाले टेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने पलक झपकाने से इनकार कर दिया। उन्होंने चौथे दिन सुबह 69 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा किया और एक संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि यह दक्षिण अफ्रीकी टीम इतिहास को दोहराने के लिए नहीं, बल्कि इसे फिर से लिखने के लिए आई थी।

213/2 से आगे खेलते हुए, दिन की शुरुआत एक डर के साथ हुई। बावुमा ने 66 रन की शानदार पारी खेली, और उसके तुरंत बाद ट्रिस्टन स्टब्स भी आउट हो गए। फिर भी, कोई घबराहट नहीं थी। क्रीज पर एडेन मार्करम, तीसरे दिन के शतकवीर, हमेशा की तरह शांत खड़े थे। उन्होंने पहले ही दक्षिण अफ्रीकी टेस्ट इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली थी। धाराप्रवाह 136 रन जब विकेट उनके चारों ओर गिर रहे थे और शनिवार को उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रोटियाज लाइन पार करें, भले ही वह उससे ठीक पहले आउट हो गए हों। जीत से छह रन पहले उनके आउट होने से लॉर्ड्स के दर्शकों को केवल एक पल के लिए खड़े होने और उस व्यक्ति को सलाम करने का मौका मिला, जिसके बल्ले ने पूरे देश की जीत की पटकथा लिखी थी।

काइल वेरिन ने अंतिम शाट खेला और उसके बाद जो दहाड़ हुई, ऐसा लगा जैसे पूरा देश एक साथ सांस छोड़ रहा हो। मार्करम की पारी आधारशिला थी, लेकिन यह जीत सामूहिक ताकत पर बनी थी। बावुमा का धैर्य। कागिसो रबाडा का जोश। महाराज का नियंत्रण। स्टब्स की मौजूदगी और एक ड्रेसिंग रूम जिसने कभी भी पिछली असफलताओं के भूत को नहीं भुलाया।

मार्कराम के साथ 2014 अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के एक अन्य पूर्व खिलाड़ी रबाडा ने साबित कर दिया कि वह इस गेंदबाजी इकाई की आत्मा क्यों हैं। मैच में नौ विकेट और ऐसे स्पेल के साथ जिसने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए दबाव को दहशत में बदल दिया।

चोटिल स्मिथ ने नहीं करायी सर्जरी, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज तक फिट होने में संशय

लंदन 14 जून। लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे दिन शुक्रवार को कैच लेने के दौरान अंगुली में चोट खाने वाले आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने कम्पाउंड डिस्लोकेशन की सर्जरी से बचने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन वेस्टइंडीज में ऑस्ट्रेलिया की आगामी टेस्ट सीरीज के लिए फिट होने के लिए उन्हें अभी भी समय की कमी का सामना करना पड़ सकता है। टेम्बा बावुना का तेज कैच लपकने के प्रयास मे स्मिथ चोट खा बैठे थे। मैदान से बाहर निकलते ही वह सीधे अस्पताल गए जहां घाव को साफ किया गया, टांके लगाए गए और उंगली को स्प्लिंट में रखा गया और यह समझा जाता है कि अगर वह स्प्लिंट के साथ ऐसा करने में सक्षम हैं तो वह बल्लेबाजी करने में सक्षम होंगे, जिसे उन्हें आठ सप्ताह तक पहनने की आवश्यकता होगी, हालांकि घाव के लगभग एक पखवाड़े में ठीक होने की उम्मीद है।

मैदान में उन पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन करने की आवश्यकता होगी और यह स्लिप में क्षेत्ररक्षण करने की उनकी क्षमता को बाधित कर सकता है। उधर, वेस्टइंडीज में ऑस्ट्रेलिया का पहला टेस्ट 25 जून को बारबाडोस में शुरू होगा, इसके बाद जुलाई में ग्रेनेडा और जमैका में मैच होंगे। स्मिथ को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के अंत और पहले टेस्ट के बीच मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में वाशिंगटन फ्रीडम के लिए एक संक्षिप्त कार्यकाल भी देना था।

जीत की हकदार थी दक्षिण अफ्रीका : पैट कमिंस

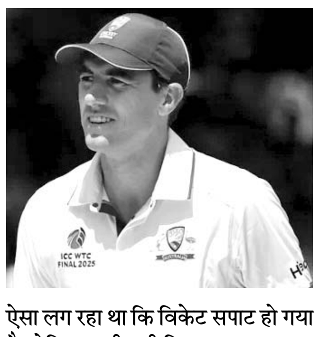

लंदन, 14 जून। ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब बचाने की उम्मीदें शनिवार को लॉर्ड्स में दिल टूटने के साथ खत्म हो गईं। कप्तान पैट कमिंस ने हार को स्वीकार करते हुये कहा कि दक्षिण अफ्रीका सही मायनो में जीत की हकदार थी। अंतिम क्षणों में धैर्य बनाए रखने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम से कमिंस की टीम पांच विकेट से हार गई। शुरुआती नियंत्रण के बावजूद यह मुकाबला निर्णायक रूप से आस्ट्रेलिया के पक्ष में नहीं गया। इस परिणाम ने दक्षिण अफ्रीका को उसका पहला डब्ल्यूटीसी खिताब और 27 वर्षों में उसकी पहली आईसीसी पुरुष ट्रॉफी दिलायी। मैच के बाद के कमिंस ने कहा चीजें बहुत जल्दी बदल सकती हैं। हमेशा कुछ चीजें होती हैं। हमारे पास पहली पारी में अच्छी बढ़त थी और हमने उन्हें आउट करने की कोशिश की, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलिया ने मैच की शुरुआत मज़बूती से की, पहली पारी में 67 रन की अहम बढ़त हासिल की। लेकिन दूसरी पारी में उनके पतन ने दरवाज़ा खोल दिया, और प्रोटियाज़ ने एडेन मार्करम की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत चौथे दिन शानदार तरीके से जीत दर्ज की। कमिंस ने कहा ऐसा लग रहा था कि विकेट सपाट हो गया है, लेकिन उम्मीद थी कि यह बदल सकता है और दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। लियोनो (नाथन लियोन) ख़तरनाक लग रहे थे, लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। एडेन शानदार थे। दक्षिण अफ्रीका चैंपियन बनने के हकदार थे।

ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी चक्र में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें एशेज रिटेंशन और कई विदेशी जीत शामिल हैं। कमिंस ने कहा लॉर्ड्स में यह सब एक साथ नहीं हुआ। यह दो साल शानदार रहे हैं, लेकिन शायद यह दोनों ही चीजें निष्पादन और परिस्थितियाँ इस खेल में काम नहीं आईं। उन्होंने प्रतियोगिता में बने रहने और मौकों का फ़ायदा उठाने की दक्षिण अफ्रीका की क्षमता की प्रशंसा की।

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड में श्रीगंगानगर, जयपुर, नागौर, धौलपुर, सीकर, कोटा, हनुमानगढ़ व अजमेर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 14 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा ने बताया बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेले गए मैचों में श्रीगंगानगर, जयपुर, नागौर, धौलपुर ,सीकर, कोटा, हनुमानगढ़ व अजमेर क्वाटर फाइनल में पहुंचे। आज सुमित गोदारा, दिव्य प्रताप सिंह, प्रशांत माली, मोहित भगतानी, सौरभ गोदारा के शतक भारत शर्मा, अर्जित गुप्ता, महिपाल लोमरोर, अवनीश, दिव्य प्रताप राजपुरोहित, यश कोठारी, शाबाज, रजतबघेल, राहुल खडेलवाल, राहुल तोमर, तन्मय तिवारी, नक्षत्र यादव, धर्मवीर सैनी, सोहन जैफ, मनीष कुमार के अर्धशतक। मनीष कुमार, हितेश इंसा, गणपत लाल शर्मा, भगवन सिंह, दीपक चौधरी, हिमांशु राणा, रोहित बंजारा, अंश चौधरी, देवांश सिंह, ऋतिक शर्मा, रजत चौधरी, गणेश चौधरी, दानिश भाम्भू, संजीव यादव की शानदार गेंदबाजी।

प्रणति ने एशियाई जिम्नास्टिक्स में वॉल्ट में जीता कांस्य पदक

जेचियन (दक्षिण कोरिया), 14 जून। भारत की प्रणति नायक ने शनिवार को एशियाई कलात्मक जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एक बार फिर इतिहास रच दिया। इस तरह उन्होंने महाद्वीपीय मीट के इतिहास में सबसे सफल भारतीय जिमनास्ट के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर ली है। जेचियन जिमनैजियम में प्रतिस्पर्धा कर रही 30 वर्षीय ओलंपियन ने 13.466 का संयुक्त स्कोर बनाया और चीन की झांग यिहान और वियतनाम की गुयेन थी क्विन न्हू के बाद तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रारंभिक दौर में 13.083 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली नायक ने पदक दौर में अपने पहले वॉल्ट में 13.666 के स्कोर के साथ जोरदार शुरुआत की। हालांकि, 12.866 के दूसरे प्रयास में वह थोड़े निराशाजनक रहीं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

तीन खिलाड़ियों ने जड़ी इंट्रा-स्क्वाड मैच में फिफ्टी, शार्दुल ठाकुर की बेहतरीन गेंदबाजी

नई दिल्ली, 14 जून। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया बेकेनहैम में 4 दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। इस मैच में पहले दिन यानी 13 जून को भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बल्लेबाजी में दम दिखाया जबकि शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी में चमके। भारत 20 जून से शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को आखिरी रूप देने में लगा है।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के आग्रह पर बिना किसी मीडिया कवरेज के बंद दरवाजों के पीछे हो रहे चार दिवसीय मैच सिमुलेशन अभ्यास ने कई खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने का मौका दिया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में मैच के पहले दिन के टॉप प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का खुलासा किया। बीसीसीआई ने पोस्ट के जरिए बताया कि पहले दिन केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और कप्तान शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया जबकि गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर का जलवा रहा।

वहीं केएल राहुल ने इससे पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में शतक लगाया था और 116 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। राहुल ने आईपीएल 2025 के अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा है। वहीं दूसरी तरफ भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए ये दौरे की बेहतरीन शुरुआत है जिन्हें रोहित शर्मा के बाद टीम की कमान मिली है। गिल का भारतके बाहर टेस्ट में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इंग्लैंड में भी उन्होंने अब तक 3 टेस्ट मैच में सिर्फ 88 रन बनाए हैं जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 28 रन है। गिल के पास इस सीरीज में इंग्लैंड में खुद को साबित करने का अच्छा मौका है।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ 34वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला एवं पुरूष वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 14 जून। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि 34वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता का आज पूर्णिमा यूनिवर्सिटी मे उद्घाटन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह शेखावत केन्द्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री, भारत सरकार रहे। राजस्थान वूशु संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने सभी अतिथियों एवं समस्त राज्य संघ के सभी पदाधिकारियों का साफा पहनाकर बुके भेट कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सभी वुशू खिलाडियों को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिये अभिप्रेरित किया एवं शुभकामनाऐं दी। राजस्थान के खिलाडियों राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करके देश एवं विदेश में राजस्थान का नाम रोशन किया विद्यालय एवं विश्वविद्यालय में वुशू खेल की लोकप्रियता बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री प्रत्येक खिलाडी को खेल के लिये प्रेरित एवं सहयोग महत्वपूर्ण रूप से करते हैं। सभी खिलाडियों एवं वुशू संघ को शुभकामना दी। पूर्णिमा यूनिवर्सिटी ने सभी पदक विजेता खिलाडियों को शत् प्रतिशत छात्रवृति देने की घोषणा की। भारतीय टीम के कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया कि पहले दिन मुकाबले प्रातः 8 बजे से शुरू किये जाऐंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूपेन्द्र सिंह बाजवा चैयरमेन भारतीय वुशू संघ ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि जितेन्द्र सिंह बाजवा महासचिव भारतीय वूशु संघ, सुहेल अहमद, सीईओ भारतीय वुशू संघ, शशिकांत डारेक्टर पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर, रमा चौपडा जिला प्रमुख जयपुंर, गोपाल सैनी ओलिंपयन अध्यक्ष राष्ट्रीय क्रीडा भारती उपस्थित रहे तथा अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत नागरिकों को दो मिनट का मौन धारण करके सभी खिलाडियां, पदाधिकारी, आयोजक एवं अतिथियो ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में राशि सिंघल एकल ग्यारह और मिक्स डबल्स में भानू प्रताप व पद्मजा सिंह की जोड़ी ने जीते खिताब

जयपुर, 14 जून। आर. डी. बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज हुए दो वर्ग के फाइनल खेले गए बालिका वर्ग 11 एकल में राशि सिंघल और मिक्स डबल्स 19 आयु वर्ग में भानु प्रताप व पद्मजा सिंह ने खिताब जीते अडर 11 वर्षीय बालिकाओं में राशि सिंघल ने अभीका मीना को 21-16 ,21-8 से परास्त किया वहीं अडर 19 वर्ष आयु वर्ग के मिक्स डबल्स में भानु प्रताप व पद्मजा सिंह की जोड़ी ने ऋतिक वर्मा और रेवा अवस्थी की जोड़ी को 21- 11, 21- 13 से परास्त कर खीताब जीता। वही लड़कियों के अडर 19 वर्गीय एकल प्रतियोगिता में हुए सेमीफाइनल में गरिमा यादव ने देवांशी लाल को 21 -12, 21- 7 से हरा फाइनल में प्रवेश किया तथा दूसरे सेमीफाइनल में निधि ने यशस्वी शर्मा को 21-8 ,22-20 से हरा फाइनल में प्रवेश किया।

अंडर 19 आयु वर्ग में बालीका डबल्स में नव्या अरोड़ा व प्रतीक्षा की जोड़ी ने 21- 11, 21 -7 से ऐश्वर्या और कशिका जैन की जोड़ी को परास्त किया। अन्य सेमीफाइनल में आदविका अग्रवाल और गरिमा यादव की जोड़ी ने दिव्यांशी फगेरिया और दिव्यांशी लाला की जोड़ी को 21-7 ,21-17 से हरा फाइनल में प्रवेश किया ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसार शेष सभी सेमीफाइनल में फाइनल कल खेले जाएंगे। परितोषित वितरण सोमवार शाम 5 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम बैडमिंटन हॉल पर ही होगा। आज देर रात तक वेटरन के मैच भी खेले जाएंगे।

अन्य वर्गों में सेमीफाइनल में पहुंचे खिलाड़ी

अंडर 11 बालक एकल सेमीफाइनलिस्ट
रक्षित सिंह मेहरा, लक्षित रेवार, नैतिक बंसल ,गर्वित दहिया।
अंडर 13 बालिका वर्ग एकल सेमीफाइनलिस्ट
पद्मजा सिंह, मिराया फगेरिया, रिद्धि कनिष्क शर्मा।
अंडर 13 बालक युगल सेमीफाइनलिस्ट
अद्विक -हिमाक्ष,अनीश -प्रणव, शौरीन-शुभम,लक्ष्यराज- रक्षित।
अंडर-19 बालक एकलसेमीफाइनलिस्ट, भानु प्रताप ,आयुष यादव,अंबर चंद्रवंशी ,भव्य दीप सिंह पवार।
अंडर-19 बालक युगल सेमीफाइनलिस्ट
धैर्य राजपाल -सात्विक चौधरी,अंबर चंद्रवंशी- प्रांजल कौशिक,भानु प्रताप-विशाल,अंश- विनीत।

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारी

लंदन, 14 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम को शनिवार को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 (महिला) मैच में ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में पहले 35 मिनट में 0-3 से पिछड़ने के बाद भारत ने दीपिका (44') और नेहा (52') के गोल की मदद से मुकाबले में वापसी की।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 14 जून। अंडर-16 अरावली कप में देवेंद्र सिंह क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39 ओवर में 195 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। नरपत कुमार ने 46, अनुराग लखन ने 36 और सुमेर गोदारा ने 32 रनों का योगदान दिया ! लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से राघव प्रजापत ने तीन, योगेश और तनुज ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने 22 ओवर में 196 रन 4 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। लक्ष्य ने 50, राघव प्रजापत ने 44 नाबाद और योषित गुर्जर ने 42 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैन राघव प्रजापत को चुना गया।

जयपुर जिला ओपन रैंकिंग कैरम प्रतियोगिता शुरू

जयपुर, 14 जून। जयपुर ज़िला ओपन रैंकिंग कैरम प्रतियोगिता के पहले दिन चौगान स्टेडियम पर हो रही 4 दिवसीय इस प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व आईएएस अफसर अजय सिंह चित्तौड़ा, अध्यक्ष राजस्थान कैरम संघ, और महासचिव जयप्रकाश ठाकुर ने कैरम पर स्ट्राइक कर किया। महिलाओं में राजकुमारी बालानी ने ममता धनवानी को, उमा ने महक को, ज्योति ने महारानी को हराया। बालकों में 5 साल के ईशान माहेश्वरी खेल रहे हैं। वैभव पारीक ने आशीष गुजर को, ईशान माहेश्वरी ने शिव वैष्णव को, सभी ने सीधे 2 सेटो में हराया। कल प्रात 9.30 बजे से सभी वर्गों में टूर्नामेंट होंगे।

सीनियर नेशनल तैराकी 22 से भुवनेश्वर में

जूनियर चैम्पियन युग चेलानी समेत राजस्थान की 6 सदस्यीय टीम हिस्सा लेगी

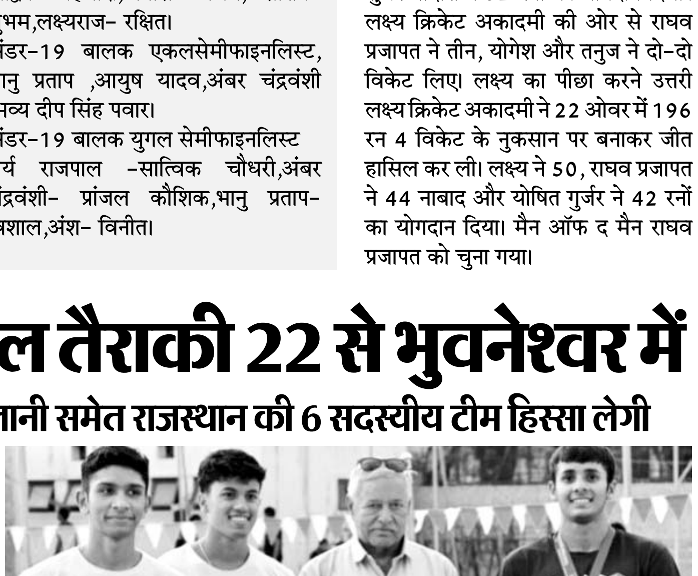

जयपुर, 14 जून। दो साल पहले भारत के जूनियर चैंपियन रहे राजसमन्द के युग चेलानी समेत राजस्थान का छह सदस्यीय तैराकी दल सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेगा। सीनियर नेशनल चैंपियनशिप 22 से 26 जून तक भुवनेश्वर में आयोजित होगी। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शुक्रवार को यहां राजस्थान टीम की घोषणा की। व्यास ने कहा कि राजस्थान के खिलाड़ी पुरुष और महिला वर्ग की कुल 13 स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

व्यास ने बताया कि राजस्थान टीम का चयन सीनियर स्टेट चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। इसमें उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जिन्होंने फेडरेशन द्वारा निर्धारित क्वालिफाइंग टाइम हासिल किया है या जिन खिलाड़ियों ने अपनी इवेंट ने नया स्टेट रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान टीम में चार पुरुष और दो महिला खिलाड़ी शामिल हैं। पुरुष खिलाड़ी आठ स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि महिला खिलाड़ी पांच स्पर्धाओं में राजस्थान की ओर से चुनौती पेश करेंगी।

व्यास ने प्रतियोगिता में राजस्थान के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि युग चेलानी, मोहम्मद अनस और योग्या खींची तीन-तीन स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि रतिका खाटा दो तथा अभिनन्दन खण्डेलवाल और कृष्णादित्य सिंह एक-एक स्पर्धा में मुकाबला करेंगे। प्रतियोगिता में राजस्थान की पदक की बड़ी उम्मीद युग चेलानी भुवनेश्वर में ही 2023 में हुई जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल चैंपियन बने थे। उन्होंने पिछले साल सीनियर नेशनल में भी राजस्थान के लिए स्वर्ण पदक जीता था।

राजस्थान टीम: पुरुष वर्ग युग चेलानी (200 मी. व्यक्तिगत मेडल 200 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. बटरफ्लाई) मोहम्मद अनस (50 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक, 100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक, 200 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक) अभिनन्दन खण्डेलवाल (200 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक) कृष्णादित्य सिंह (100 मी. बैकस्ट्रोक)।

महिला वर्ग : योग्या खींची (100 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. फ्रीस्टाइल, 50 मी. बैकस्ट्रोक) रतिका खाटा (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक, 200 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक)। हिमांगी गुप्ता राजस्थान टीम की मैनेजर होंगी।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
RISING™ RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY
प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025
राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर
औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
तृतीय चरण
ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 16.06.2025 (प्रात: 10 बजे) से 27.06.2025 (सायं 6 बजे तक)
आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।
ई-लॉटरी 2 जुलाई, 2025
6,806 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 6,037 अनारक्षित | 97 औद्योगिक क्षेत्र
विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड
237 अनुसूचित जाति/जनजाति | 206 महिला वर्ग | 117 भूतपूर्व सैनिक | 147 बेंचमार्क दिव्यांगता | 62 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित
आवंटन की प्रक्रिया
एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन
EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।
पात्रता - निवेशक जिन्होंने 30/04/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस स्कीम में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।
आवेदन हेतु स्कैन करें
भूखण्ड की राशि का भुगतान
25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ
इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in या https://www.riico.co.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।
राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
https://www.riico.co.in · riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen
राज.संवाद/सी/25/4301

ईरान ने की जवाबी कार्यवाही, तेल अवीव के कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया

इज़रायल के रक्षा मंत्री ने चेतावनी दी, मिसाइलें दागना बंद नहीं किया तो "तेहरान जलेगा"

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जून। यरुशलम द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए अनायास और अनुचित मिसाइल हमलों से भड़के ईरान ने शुक्रवार रात को तेहरान के परमाणु ठिकानों और मिसाइल अड्डों पर इज़राइली हमलों के जवाब में इज़राइल पर भारी मिसाइल हमला किया, जिससे तेल अवीव में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुँचा है।

दोनों देश एक तीव्र संघर्ष में उलझ चुके हैं, जो दुनिया को वैश्विक युद्ध की ओर धकेल सकता है। इज़राइल का यह दावा कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के कगार पर है, निराधार प्रतीत होता है, जैसा कि अमेरिका ने इराक के खिलाफ झूठा आरोप लगाया था कि सद्दाम हुसैन के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं, जो अंततः पूरी तरह गलत साबित हुआ।

विशेषज्ञों ने कहा, इसी रणनीति को दोहराते हुए, ट्रम्प प्रशासन के समर्थन से इज़राइल मीडिया में जोर-शोर से ऐसा प्रचार कर रहा है, ताकि ईरान पर हमलों को उचित ठहराया जा सके, तेहरान ने लगातार यह कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह किसी भी तरह के परमाणु हथियार कार्यक्रम में शामिल नहीं है।

ईरान के शुक्रवार रात और शनिवार तड़के किए गए जवाबी हमलों से पहले, इस्लामी क्रांति के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला सैयद अली खामेनेई ने टेलिविज़न पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए ज़ायनिस्ट शासन को "कड़ी सज़ा" देने की बात कही थी।

इज़राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल कात्ज़ ने तत्काल खामेनेई को चेतावनी दी कि यदि उन्होंने इज़राइली नागरिकों पर मिसाइलें दागनी जारी रखीं, तो "तेहरान जल जाएगा"।

कात्ज़ ने एक बयान में कहा, "ईरानी तानाशाह ईरानी नागरिकों को बंधक बना रहा है और उन्हें एक ऐसी स्थिति में ला रहा है, जिसमें वे, खासकर तेहरान के निवासी, इज़राइली नागरिकों को पहुँचे नुकसान की बड़ी कीमत चुकाएंगे। अगर खामेनेई ने इज़राइली इलाकों पर मिसाइलें दागनी जारी रखीं, तो तेहरान जलकर राख हो जाएगा"।

इस बीच, ईरानी हमले जारी रहने वाले हैं, और ईरान की फ़ार्स समाचार एजेंसी ने शनिवार को वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि आने वाले दिनों में, इस क्षेत्र में स्थितअमेरिकी अड्डों को भी निशाना बनाया जाएगा।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के हवाले से,

- **दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, रणनीतिक विशेषज्ञों ने कहा, यह स्थिति दुनिया को विश्व युद्ध के कगार पर ले जा सकती है।**
- **ईरान ने अमेरिका, ब्रिटेन व फ्रांस को चेतावनी दी, अगर उन्होंने इज़रायल की मदद की तो ईरान उनके अड्डों व जहाजों को निशाना बनाएगा।**

फ़ार्स ने रिपोर्ट किया, "यह टकराव बीती रात की सीमित कार्रवाई पर समाप्त नहीं होगा। ईरानी हमले जारी रहेंगे और आक्रांताओं के लिए यह काफ़ी दुखदायी और पश्चातापजनक होगा"।

अधिकारियों ने कहा कि यह युद्ध आने वाले दिनों में इस (इज़राइली) शासन द्वारा क़ब्ज़ा किए गए सभी क्षेत्रों और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी अड्डों तक फैल जाएगा।

ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान ने अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस को चेतावनी दी है कि यदि उन्होंने ईरान के इज़राइल पर हमलों को रोकने में मदद की, तो उनके अड्डों और जहाज़ों को भी निशाना बनाया जाएगा।

इज़राइल में हवाई हमले के सायरन पूरे देश में, विशेष रूप से तेल अवीव और यरुशलम में बजे, जिससे नागरिकों को बंकरों की ओर भागना पड़ा, क्योंकि ईरानी मिसाइलों की लगातार बारिश हुई और इज़राइली अवरोधक उन्हें रोकने के लिए सक्रिय हो गए।

इज़राइल की एम्बुलेंस सेवा के अनुसार, एक पुरुष और एक महिला की उस समय मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए, जब एक मिसाइल उनके घर के पास गिरी।

तेल अवीव के बाहर के शहर ऋशोन लेजिओन में ध्वस्त हुए अपार्टमेंट भवनों के मलबे में बचाव दल तलाशी अभियान चला रहे हैं।

फ़िलिस्तीनी रेड क्रेसेंट के अनुसार, ईरान समर्थित हूती मिलिशिया द्वारा यमन से दागी गई एक मिसाइल ने इज़राइल-आधिकृत वेस्ट बैंक में पाँच फ़िलिस्तीनियों, जिनमें तीन बच्चे शामिल थे, की जान ले ली।

तस्नीम न्यूज़ एजेंसी ने रिपोर्ट किया, तेहरान में शुक्रवार रात कई विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं।

ईरानी मीडिया ने बताया, ईरानी सशस्त्र बलों के दो उप-सेनापतियों की मौत इज़राइली हमलों में हुई। यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मृत्यु कब हुई, लेकिन उनकी मौत की जानकारी शनिवार को दी गई।

फ़ार्स समाचार एजेंसी के अनुसार, तेहरान के मेहराबाद हवाई अड्डे पर दो मिसाइलें गिरीं, और ईरानी मीडिया ने वहाँ आग लगने की खबरें दीं। यह एयरपोर्ट ईरान के शीर्ष नेतृत्व के निकट स्थित है और वहां एक वायुसेना अड्डा भी है, जिसमें लड़ाकू और परिवहन विमान तैनात हैं।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि इज़राइली हमलों में 78 लोग मारे गए, जिनमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं, और 320 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें अधिकांश नागरिक हैं।

दो अमेरिकन अधिकारियों ने बताया, अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को इज़राइल की ओर बढ़ रही ईरानी मिसाइलों को मार गिराने में मदद की। इज़राइल की सेना ने कहा कि ईरान ने शुक्रवार को 100 से कम मिसाइलें दागीं, जिनमें से अधिकांश को रोक लिया गया या वे लक्ष्य से चूक गईं।

दिनभर चले इज़राइली हमलों और उसके जवाब में हुई ईरानी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में व्यापक युद्ध की आशंका बढ़ा दी है, हालाँकि ईरान के सहयोगी ग़ाज़ा में हमास और लेबनान में हिज़्बुल्लाह पहले ही इज़राइल के हमलों में कमजोर हो चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी प्रमुख राफेल ग्रोसी ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को बताया कि नतांज़ का पायलट परिशोधन केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़ोर्दो और इस्फ़हान में दो अन्य ठिकानों पर हुए इज़राइली हमलों की जानकारी अब भी एकत्र की जा रही है।

मुख्यमंत्री निवास पर ब्रह्मधाम आसोतरा के गादीपति, परम पूज्य तुलछाराम महाराज से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भेंट कर उनका स्नेहाशीष प्राप्त किया।

कांग्रेस में जातिगत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जातियों की पहचान को लेकर विवाद हो सकते हैं।

कुछ कांग्रेस नेताओं को यह भी चिंता है कि यह प्रक्रिया बाँटने वाली तथा जटिल हो सकती है तथा इसमें गलतियों की काफी संभावनाएँ हैं। कुल मिलाकर, यह समाज में नए तनाव पैदा कर सकती है।

भारत में आखिरी बार जातिगत आंकड़े 1931 में एकत्रित किए गए थे।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) करवाई थी, लेकिन जातिगत आंकड़े जारी नहीं किए गए, क्योंकि इनमें विसंगतियाँ बताई गई थीं।

किन्तु आलोचकों का कहना है कि कांग्रेस उस समय राजनीतिक जोखिम से बचना चाहती थी, क्योंकि ये आंकड़े आरक्षण नीति और सामाजिक समीकरणों को बदल सकते थे।

हालिया वर्षों में राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं ने जाति जनगणना का समर्थन खुलकर करना शुरू इसलिये किया है, क्योंकि वे सामाजिक न्याय और संसाधनों के पुनर्वितरण पर जोर देना चाहते हैं।

लेकिन पार्टी के भीतर विरोध की प्रमुख वजहें हैं जैसे, राजनीतिक समीकरण, जातिगत ध्रुवीकरण का डर, पारंपरिक वोट बैंक के दूर छिटक जाने की चिंता, इस मुद्दे पर ऐतिहासिक अनिर्णय।

विशेष रूप से भाजपा की ओबीसी वर्ग में बढ़ती पहुंच और क्षेत्रीय सहयोगी दलों के दबाव के मद्देनज़र, कांग्रेस अब इस मुद्दे पर अपना रुख अधिक स्पष्ट करती दिख रही है।

ऑयल का ट्रांसपोर्टेशन अवरुद्ध होने के भय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद आर्थिक सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

शुक्रवार को भारतीय रुपया वैश्विक तेल मूल्य वृद्धि के प्रभाव में लगभग 0.6 प्रतिशत गिरा, जबकि शुरुआती अनुमान बताते हैं कि यदि वर्तमान मूल्य स्तर बना रहा, तो घरेलू ईंधन की कीमतें 5 से 12 रूपए प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। यह पूरे आर्थिक ढांचे में असर डालेगा, जिससे परिवहन, पैकेजिंग, कृषि और रसायन जैसे क्षेत्रों में लागत बढ़ेगी। ये क्षेत्र, जो तेल पर आधारित कच्चे माल पर निर्भर हैं, मार्जिन पर दबाव का सामना करेंगे और निर्माता यह बोझ उपभोक्ताओं पर डाल सकते हैं। महंगाई, जो हाल ही में नियंत्रण में आ रही थी, उसमें अचानक 0.5 से 1 प्रतिशत पॉइन्ट्स की बढ़ोतरी हो सकती है, यह इस पर निर्भर करेगा कि बढ़ते हुए तेल मूल्य कितने समय तक बने रहते हैं। नीति के स्तर पर, भारतीय रिज़र्व बैंक को ब्याज दरों में कटौती की कोई भी योजना टालनी पड़ सकती है।

- **भारत को ऑयल बॉण्ड, ऑयल पर लगी एक्साइज़ ड्यूटी में कटौती आदि, सख्त कदम उठाने होंगे।**
- **पर, कितनी महँगाई बढ़ती है, आदि, आदि, इस बात पर निर्भर करेगी कि ईरान-इज़रायल युद्ध कितने दिन चलता है। पर, कटु सत्य है कि भारत का "ग्रोथ मोमैन्टम" तो पूर्णतया रूक जायेगा।**

वहीं वित्त मंत्रालय को ईंधन की कीमतों में तेज़ वृद्धि को रोकने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती पर विचार करना पड़ सकता है, जिससे उसकी आर्थिक गणना पर असर पड़ेगा। कमजोर होता रुपया डॉलर में तेल को और महंगा बना देगा, जिससे समस्या और जटिल हो जाएगी। हालाँकि भारत हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठा है। देश ने अपने ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाने के लिए काम किया है, और अब वह रूस से रियायती दर पर तेल खरीद रहा है, अमेरिका से भी तेल ले रहा है और इराक तथा यूएई जैसे खाड़ी देशों पर अधिक निर्भर हो गया है। यदि कीमतें लंबे समय तक ऊँची बनी रहीं, तो रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल भी किया जा सकता है, हालांकि यह अंतिम उपाय होगा।

घरेलू ऊर्जा और रक्षा विनिर्माण में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएँ भी भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक सहनशक्ति का हिस्सा हैं, लेकिन ये तात्कालिक संकट का समाधान नहीं दे सकतीं।

अब आगे क्या होगा, यह संघर्ष की दिशा पर निर्भर करता है। यदि शत्रुता सीमित रहती है और इसका असर जहाजों के परिवहन या तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नहीं पड़ता तो कच्चे तेल की कीमतें 75 से 80 डॉलर प्रति बैरल के बीच स्थिर हो सकती हैं, जो कष्टकारी तो है लेकिन इससे डील किया जा सकता है। मध्यम स्तर के बढ़ते संघर्ष के तहत, जिसमें बुनियादी ढांचे पर अप्रत्यक्ष हमले या क्षेत्रीय टैंकरों को खतरे शामिल हों तो तेल की कीमतें 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। सबसे खराब स्थिति में, यदि होरमुज़ जलडमरूमध्य में पूरी तरह से नाकेबंदी या हमला होता है, कीमतें 120 डॉलर के पार जा सकती हैं, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए भारी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसी स्थिति में, महंगाई नाटकीय रूप से बढ़ेगी, रुपया गिरावट का सामना करेगा, और तथा केंद्र सरकार को प्रतिक्रियात्मक उपायों के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल बॉन्ड, उत्पाद शुल्क कटौती, और आयात विविधीकरण जैसी नीतिगत कुशनिंग कुछ राहत दे सकती हैं, लेकिन मूल समस्या बनी रहती है कि भारत की आर्थिक मशीनरी अब भी अस्थिर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार की गिरफ्त में हैं, जहाँ भारी उतार-चढ़ाव है।

इज़राइल-ईरान संघर्ष ने भले ही भारत के हितों को सीधे निशाना नहीं बनाया हो, लेकिन इसके आर्थिक झटके पहले से ही महसूस किए जा रहे हैं। जब तक वैश्विक कूटनीति आगे बढ़कर तनाव को नियंत्रित नहीं करती, भारत का एक बार फिर बाहरी तेल संकट से जूझना पड़ सकता है, वो भी ऐसे समय में जब वह अपनी वृद्धि की गति को सुदृढ़ करने की कोशिश कर रहा है। ऊर्जा सुरक्षा की लड़ाई अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई बल्कि यह वास्तविक समय में घट रही है।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक बेरोजगार युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपेंगी। उन्होंने कहा कि बढ़ ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण युवाओं में बढ़ ती और नशे की लत मानसिक अवसाद को देखते हुये उन्हें इससे मुक्ति दिलाने के लिए यह कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लिपकार्ट, एयरटेल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, महिन्द्रा, एमेज़ॉन, जेप्टो, टाटा, सैमसंग, हीरो, बजाज, वोल्टास, जस्ट डायल, वोडाफोन, ब्लिंकिट और रेडिसन जैसी प्रमुख कंपनियां उन लगभग 100 कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने बेरोजगारों की सीधी भर्ती के लिए मैगा जॉब फेयर में भाग लेने पर सहमति जतायी है।

सीज़फायर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तबादला जैसलमेर किया था। अपील में कहा गया कि अब दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया है और तनाव के हालात समाप्त हो गए हैं। स्वायत्त शासन विभाग ने आपदा प्रबंधन के तहत अपने कर्मचारियों के किए गए ट्रांसफर वापस ले लिए हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

केन्द्र सरकार ने इस 11 सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की जो तीन माह में रिपोर्ट देगी

नयी दिल्ली, 14 जून। सरकार ने अहमदाबाद से लंदन जाने वाले एयर इंडिया के विमान की गुरुवार को हुई दुर्घटना की समग्रता से जांच के लिए केन्द्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक 11 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है, जो इस दुर्घटना को लेकर हर तरह के सवाल का जवाब तलाशेगी और तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने शनिवार को यहां उड़ान भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी और यह भी बताया कि विमान का डेटा रिकॉर्डर यानी ब्लैक बॉक्स मिल गया और उसकी डिकोडिंग की जा रही है। नायडू ने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की और कहा कि वे इस दुर्घटना के शिकार यात्रियों के परिजनों के दर्द को समझते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं अपने पिता को एक दुर्घटना में खोया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना होने के तीन घंटे बाद जब वे अहमदाबाद में घटनास्थल पर पहुंचे तो गुजरात सरकार की एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में लगे थे। विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (एएआईबी) ने अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में तकनीकी जांच शुरू कर दी है। इस जांच से उत्तर मिलेगा कि तकनीकी स्तर पर क्या कमी या चूक हुई थी।

नायडू ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद हवाईअड्डे के पास हुए हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं... मैं व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल पर गया, ताकि देख सकूँ कि क्या किया जाना चाहिए, क्या सहायता प्रदान की जानी चाहिए और यही रवैया गुजरात सरकार का भी था। भारत सरकार और मंत्रालय के अन्य लोगों का भी यही रवैया था। जब हम घटनास्थल पर पहुँचे, तो हमने देखा कि सभी संबंधित विभागों की प्रतिक्रिया टीमें ज़मीन पर काम कर रही थीं, जो भी संभव हो, बचाव करने की कोशिश कर रही थीं, आग को कम करने और मलबे को हटाने की कोशिश कर रही थीं, ताकि शवों को जल्द से जल्द अस्पताल भेजा जा सके। विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो, जिसे विशेष रूप से विमानों के आसपास होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं की जाँच करने के लिए बनाया गया था, को तुरंत सक्रिय किया गया।

राजस्थान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुल 23 लाख 33 हजार 162 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 13 लाख 15 हजार 853 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे।

इस वर्ष अनारक्षित श्रेणी के 689366, अनुसूचित जाति के 333646, अनुसूचित जनजाति के 150224, अन्य पिछड़ा वर्ग के 948507, ईडब्लूएस के 154326 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्रों की संख्या 965996 और छात्राओं की संख्या 1310062 रही। इस वर्ष की परीक्षा में 939 विदेशी अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि 11 उभयलिंगी (थर्ड जेंडर) शामिल हुए।

इज़रायल-ईरान युद्ध से खाड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे अमेरिका और यूरोपीय संघ – के इशारों पर चलने के मामले में इज़रायल का व्यवहार पाकिस्तान से अलग नहीं है। वह एक रणनीतिक कठपुतली बन गया है और उसकी एकतरफा कार्रवाहियाँ पूरे मध्य पूर्व को खतरे में डाल रही हैं। प्रो. पाशा ने यह भी कहा कि भारत सरकार को इस संकट के समय आगे आकर अपने इज़राइल और ईरान दोनों के साथ वर्षों पुराने संबंधों का उपयोग कर विवाद के कूटनीतिक समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए।

भारत, जिसने अब तक दोनों देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को संतुलित रूप से बनाए रखा है, अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। नई दिल्ली जहां एक ओर इज़राइल के साथ मजबूत रक्षा और तकनीकी साझेदारी रखता है, वहीं ईरान के साथ उसके सांस्कृतिक, आर्थिक और ऊर्जा संबंध भी गहरे हैं। वर्षों से भारत ने ईरान में बुनियादी ढांचे और ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे चाबहार बंदरगाह, में निवेश किया है, जो उसकी क्षेत्रीय संपर्क रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

- **प्रोफेसर आफताब कमाल पाशा, जो जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी में कार्यरत प्रोफेसर हैं, का कहना है कि इज़रायल ने पाकिस्तान की भांति, अमेरिका का "स्टूज" (पिछलगू) बनने का रास्ता अपनाया है तथा अमेरिका व यूरोपियन यूनियन के "आदेशों" की अनुपालना करने को तत्पर रहता है।**
- **प्रोफेसर पाशा की राय है, भारत के ईरान से गहरे सांस्कृतिक व इकोनॉमिक संबंध रहे हैं तथा अब इज़रायल से डिफैंस टैक्नॉलजी आधारित दोस्ती है। अतः भारत को अपनी इस अद्वितीय स्थिति को काम में लेते हुए दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति को शांत करने के लिए उपयोग करना चाहिए।**

यमन, सीरिया और इराक में पहले से ही जारी तनावों के बीच, खाड़ी क्षेत्र में किसी भी नई अस्थिरता का असर पूरे दक्षिण एशिया और उससे आगे तक महसूस किया जा सकता है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, भारत सहित कई देश पर्दे के पीछे शांति वार्ता और तनाव कम करने के प्रयासों में जुटे हैं, ताकि एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध को टाला जा सके।

जैसे-जैसे यह संकट गहराता जा रहा है, आने वाले दिन भारत की कूटनीतिक क्षमता, आर्थिक सहनशक्ति और रणनीतिक दूरदर्शिता की कड़ी परीक्षा साबित होंगे, न केवल ऊर्जा सुरक्षा के लिए, बल्कि खाड़ी क्षेत्र से जुड़े लाखों जीवनों के लिए भी।

नाबालिग का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर बुलाया था और फिर वह उसे ट्रेन में बैठाकर अहमदाबाद ले गया। जहां उसे एक कमरे में रखा और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। वहीं, बाद में पुलिस और उसके परिजन आकर उसे ले आये। दूसरी ओर, अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसके और पीड़ित पक्ष के बीच रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद था। ऐसे में द्वेषता के चलते उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिसंचरण तंत्र सक्रिय है तथा एक पश्चिमी विक्षोभ भी प्रभावी है। इससे मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 14 जून से प्रदेश के कई जिलों- जैसे जयपुर, कोटा, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर व भरतपुर-में बादल, तेज़ आंधी (50-60 किमी/घंटा), बिजली की गरज-चमक और बारिश की गतिविधियां देखी जा रही हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600